मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 23
भोपाल, शुक्रवार
6 मार्च 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

02 10 करोड़ की फिरौती के लिए घर पर फेंकने थे पेट्रोल बम

लक्ष्य सेन का शानदार प्रदर्शन जारी, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे 06

नेपाल चुनाव: भारत विरोधी केपी ओली 6000 वोटों से पीछे

काठमांडू मेयर रहे बालेन शाह आगे, पीएम बनने के करीब

काठमांडू ■ एजेंसी

नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 71 सीटों पर आए शुरुआती रुझानों में रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 1 सीट जीतने के साथ 55 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं गगन थापा की पार्टी नेपाली कांग्रेस 8 सीटों पर जबकि केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल 4 सीटों पर आगे है।

केपी ओली खुद भी झापा-5 सीट पर काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह से 4 हजार से ज्यादा वोटों से पीछे चल रहे हैं। अभी तक उन्हें 4,087 वोट जबकि बालेन शाह को 10,190 वोट मिले हैं। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद गुरुवार को हुए चुनाव में 60 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी।

देश की 71 सीटों पर शुरुआती वोटों की गिनती में बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 55 सीटों के साथ सबसे आगे चल रही है। गगन थापा की नेपाली कांग्रेस 8 सीटों पर बढ़त में है। केपी शर्मा ओली की सीपीएन-यूएमएल 4 सीटों पर आगे है। पुष्प कमल दहल की नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 3 सीटों पर आगे है ।अन्य को 2 सीटों पर बढ़त है।

उनकी पार्टी को 55 सीटों पर बढ़त

युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय रहे बालेन

काठमांडू के मेयर बनने से पहले बालेंद्र शाह, जिन्हें लोग बालेन के नाम से जानते हैं, नेपाल के अंडरग्राउंड हिप-हॉप सीन में दिखते थे। कभी छतों पर रैप बैटल करते, तो कभी म्यूजिक वीडियो बनाते। उनके गानों में गरीबी, पिछड़ापन और भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाए जाते थे। इन्हीं गीतों ने उन्हें युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया। उनके रैप में अक्सर नेताओं की बेइज्जती की जाती थी, लेकिन तब लोग चौंक गए जब बालेन ने मई 2022 में काठमांडू से मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। बालेन काले ब्लेजर, काली जींस और काले धूप के चश्मे में प्रचार करने जाते, जिसकी खूब चर्चा हुई। निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले सिर्फ 33 साल के बालेन ने बड़े-बड़े दिग्गजों को चुनाव में हरा दिया। नेपाल में काठमांडू के मेयर की हैसियत कई केंद्रीय मंत्री से भी अधिक मानी जाती है। ऐसे में इस जीत की चर्चा सिर्फ नेपाल में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में हुई। साल 2023 में टाइम मैगजीन ने उन्हें दुनिया के टॉप 100 प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने उनकी प्रोफाइल स्टोरी की थी।

क्या बोला भारत?

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दिल्ली में कहा- हम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, नेपाल सरकार और जनता के साथ-साथ विभिन्न हितधारकों को पिछले साल रही असाधारण परिस्थितियों के बावजूद सफलतापूर्वक संपन्न हुए इन चुनावों के लिए बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने नेपाल में शांति, प्रगति और स्थिरता का निरंतर समर्थन किया है और अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, नेपाल सरकार के अनुरोध पर इन चुनावों के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की है।

अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ीं

रिलायंस पावर से जुड़े ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज उद्योगपति अनिल अंबानी की ग्रुप कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड के खिलाफ मनी

लॉन्ड्रिंग जांच के तहत मुंबई और हैदराबाद में कई जगहों पर तलाशी ली। दोनों शहरों में कंपनी और उसके अधिकारियों से जुड़ी करीब 10-12 जगहों पर तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी की करीब 15 टीमें यह कार्रवाई कर रही हैं। ईडी कथित बैंक फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के तहत अनिल अंबानी से जुड़ी कई कंपनियों की जांच कर रहा है। यह घटना तब हुई जब अनिल अंबानी 27 फरवरी को ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए, जबकि एजेंसी ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था। हालांकि, इससे एक दिन पहले, 26 फरवरी को अंबानी दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश हुए थे। उन्होंने सुबह करीब 11 बजे जांचकर्ताओं के सामने अपना बयान दर्ज कराया था। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) और उससे जुड़ी संस्थाओं से जुड़े कथित 40,000 करोड़ रुपये के बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है।

पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी बरकरार

इजराइल पर ईरान ने गिराए क्लस्टर बम, जॉर्डन और रियाद में ड्रोन किए नष्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी बरकरार है। ईरान ने इजराइल, अमेरिकी सैन्य ठिकानों और क्षेत्र के कई देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की नई लहर शुरू कर दी। युद्ध शुरू होने के बाद अब तक ईरान में लगभग 1230 लोगों की मौत, लेबनान में 100 से ज्यादा और इजराइल में करीब एक दर्जन लोगों की जान जा चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को एक शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने चल रहे युद्ध के दौरान 30 से अधिक ईरानी जहाजों को डुबो दिया है, जबकि तेहरान की सेनाओं द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों में काफी कमी आई है। एडमिरल ब्रैड कूपर के हवाले बताया कि 30 से अधिक जहाज डुबो दिए हैं, और पिछले कुछ घंटों में ही हमने एक ईरानी ड्रोन वाहक पोत को निशाना बनाया है, जिसका आकार लगभग द्वितीय विश्व युद्ध के विमानवाहक पोत के बराबर है। और इस समय उसमें आग लगी हुई है। ईरान ने इजराइल पर क्लस्टर बम गिराए हैं। जिसका वीडियो सामने आया है। गुरुवार रात कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें क्लस्टर बम लगे थे। सऊदी अरब ने रियाद के पूर्व में तीन ड्रोन नष्ट कर दिए हैं। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर एक प्रवक्ता के हवाले से पोस्ट किया, जिसमें कहा कि रियाद क्षेत्र के पूर्व में तीन ड्रोन को रोका गया और नष्ट कर दिया गया।

आईआरजीसी ने दी अमेरिका-इजराइल को नए हथियारों की चेतावनी, कहा-मिलेगी दर्दनाक चोट, अमेरिका ने कुवैत दूतावास को बंद किया

अब तक ईरान में लगभग 1230 लोगों की मौत, लेबनान में 100 से ज्यादा और इस्राइल में करीब एक दर्जन लोगों की जान जा चुकी

ईरान लंबे युद्ध के लिए तैयार

इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि ईरान लंबे युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है और ऐसे एडवांस्ड हथियार लाने वाला है जिनका अभी तक इस लड़ाई में इस्तेमाल नहीं हुआ है। एक बयान में ब्रिगेडियर जनरल अली मोहम्मद नैनी ने कहा कि ईरान के दुश्मनों को आने वाले हमलों की नई लहर में दर्दनाक वार की उम्मीद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान की नई कोशिशें और हथियार आने वाले हैं। इन टेक्नोलॉजी का अभी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल नहीं किया गया है। इससे यह संकेत मिलता है कि ईरान के पास ऐसे सैन्य संसाधन हैं, जिनका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। ऐसे में अब ईरान उनका इस्तेमाल संघर्ष में एक नया मोड़ लाने के लिए कर सकता है।

पिछले युद्ध से अधिक तैयारी | नैनी ने यह भी कहा कि ईरान पिछले साल अमेरिका और इजराइल द्वारा शुरू किए गए 12-दिवसीय युद्ध की तुलना में अब अधिक तैयार है। उन्होंने वर्तमान सैन्य टकराव को पवित्र और वैध युद्ध बताया, जो ईरान के अपने बचाव के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

हिज्बुल्ला ने हाइफा बंदरगाह पर हमले की ली जिम्मेदारी

लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने आज सुबह इजराइल जमीनी बलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की जिम्मेदारी ली है, जिनमें वे बल भी शामिल हैं, जो हाल के दिनों में लेबनान की धरती में प्रवेश कर चुके हैं। टेलीग्राम पर एक बयान में हिज्बुल्लाह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने मारौन अल-रस और कफर किला सहित कई क्षेत्रों में इस्राइली सेना को निशाना बनाया है, जो पहले से ही लेबनानी क्षेत्र के भीतर हैं। बयान में कहा गया है कि हिज्बुल्लाह ने कब्जे वाले गोलान हाइट्स में इस्राइल के योआव सैन्य शिविर और हाइफा बंदरगाह में एक नौसेना अड्डे को भी निशाना बनाया। फिलहाल किसी के हताहत होने की तत्काल खबर नहीं मिली है। इससे पहले हिज्बुल्लाह ने लेबनान के साथ विवादित सीमा पर रहने वाली इस्राइली बस्तियों के निवासियों को खाली करने की चेतावनी जारी की थी।

बहरीन में इजराइली दूतावास को बनाया निशाना

बहरीन की राजधानी मनामा पर रात भर हुए हमलों में शहर के फाइनेंशियल हार्बर टावर्स वाणिज्यिक परिसर को निशाना बनाया गया। यहां इजराइली दूतावास वहीं स्थित था। कुवैत में मिसाइल गिरने के बाद अमेरिका ने अपने दूतावास में कामकाज निलंबित कर दिया है।

हमले के बाद से 19,000 से अधिक उड़ानें रद्द : संयुक्त अरब अमीरात के दुबई और अबू धाबी सहित पश्चिम एशिया के सात प्रमुख हवाई अड्डों पर 19,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। आंकड़ों के अनुसार 1, 2 और 3 मार्च को सबसे अधिक उड़ानें रद्द हुईं, जिनकी संख्या प्रत्येक दिन 3,300 से अधिक रही।

दमोह में ग्रामीणों के हत्थे चढ़ा नरभक्षी

नाबालिग का सिर हथौड़े से कुचला, मांस खाया और खून पिया

दमोह ■ अमृत दर्शन

जिले के देहात थाना क्षेत्र के समन्ना गांव के पास एक नरभक्षी मानसिकता वाले व्यक्ति ने 16 साल के नाबालिग की हथौड़े से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी। हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी ने हत्या के बाद मृतक के सिर से भेजा निकालकर खाया और उसका खून भी पिया। इस पूरी भयावह घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 20 साल पहले पत्नी को भी मार चुका है। जिले में भाई-दूज के दिन खुशियां मातम में बदल गईं। इमलिया चौकी क्षेत्र के अर्थखेड़ा गांव का रहने वाला 16 वर्षीय भरत विश्वकर्मा अपनी बहन से मिलने समन्ना गांव जा रहा था। रास्ते में गांव के ही रहने वाले गुड्डा पटेल ने उस पर अचानक हमला कर दिया। वारदात देहात थाना क्षेत्र की है।

मृतक के चचेरे भाई विजय विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपी गुड्डा पटेल ने पहले भरत के सिर पर रॉड से हमला किया और जब वह गिर गया, तो उस पर हथौड़े से 15-20

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

वार किए। भरत की मौके पर ही मौत हो गई। विजय किसी तरह अपनी जान बचाकर भागा, लेकिन उसने जो देखा वह रूह कंपा देने वाला था। चश्मदीदों के मुताबिक, आरोपी ने मृतक का मांस खाया और खून पिया। वारदात के बाद शव के साथ वीभत्स हरकत किए जाने की बातें फैलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया, जो अब पुलिस के पास है। वीडियो में हत्या के बाद नाबालिग का हथौड़े से कुचलकर मारते दिखाई दे रहा है।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी हथौड़ा लेकर खेतों की ओर भागा। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। आरोपी एक खेत की फेंसिंग में फंस गया। जब ग्रामीणों और पुलिस ने उसे घेरा, तो उसने उन पर भी हमला करने की कोशिश की। अंत में ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले कर दिया।

असम : सुखोई विमान दुर्घटनाग्रस्त वायुसेना के 2 पायलटों की मौत

गुवाहाटी। भारतीय वायु सेना ने आज पुष्टि की कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में एक सुखोई फाइटर जेट के क्रैश होने से दो पायलट मारे गए। यह दुर्भाग्यपूर्ण हादया एक रूटीन ट्रेनिंग मिशन के दौरान हुआ था। कल शाम जोरहाट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद जेट का रडार से कॉन्टैक्ट टूट गया था।

अंतर्मना उवाच

आज का आदमी दुहरा जीवन जी रहा है.. एकांत में शराब और समाज में पानी छानकर पी रहा है..!

जैसे *-- रात भर हजारों कीड़े-मकोड़े खाने वाली छिपकली, सुबह होते ही महापुरूषों की तस्वीर के पीछे छिप जाती है।*

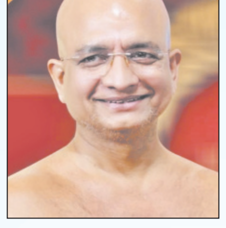

आज के आदमी का ऐसा ही दुहरा चरित्र हो गया है। *आदमी चित्र से नहीं, चरित्र से पूजनीय वंदनीय होता है। उसकी जीवन-चर्या, उसका हंसना-बोलना, खाना-पीना, वाणी और व्यवहार --* ***यह सब उसके आचरण पर निर्भर करता है।*** *उत्कृष्ट आचरण व्यक्ति के व्यक्तित्व को दर्शाता है।*

राम *ने कभी उपदेश नहीं दिया, ब्लकि आदर्श आचरण प्रस्तुत किया और स्वयं उसे जीकर दिखाया। वहीं* ***रावण ने*** *अपार ज्ञान होते हुए भी उसके अनुरूप आचरण नहीं किया। उसने सब कुछ धर्म और धर्माचरण के लिए, विपरीत काम किया। रावण की एक कमी, एक बुराई, एक खोट ने उसके सम्पूर्ण जीवन को नष्ट कर दिया।* ***कोरा ज्ञान पूजनीय नहीं होता, ज्ञान के तदनुरुप आचरण ही पूजनीय वंदनीय होता है।***

आज के मनुष्य का जीवन अतीत से जुड़ा हुआ है, परंतु यदि वह अपने वर्तमान आचरण को सुधार ले, तो उसका भविष्य अवश्य उज्वल हो सकता है...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

रूस से सस्ता तेल खरीद सकेगा भारत

अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी

पेट्रोल-डीजल महंगा नहीं होगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें ये उम्मीद है कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा। इस उपाय से ग्लोबल मार्केट में तेल की कमी नहीं होगी। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल ने तेल खरीद के लिए ये लाइसेंस जारी किया है।

जयराम रमेश बोले- कब तक चलेगा ये ब्लैकमेल

अमेरिका की ओर से भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए अस्थायी छूट दिए जाने के बाद कांग्रेस ने इसे लेकर सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि आखिर यह अमेरिकी ब्लैकमेल कब तक चलता रहेगा। रमेश ने किस अंदाज में निशाना साधा? कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक कवितानुमा पोस्ट में कहा कि ट्रंप का नया खेल, दिल्ली दोस्त को कहा, पुतिन से ले सकते हो तेल, कब तक चलेगा, यह अमेरिकी ब्लैकमेल।

खंडवा में सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर बवाल

भीड़ ने थाना परिसर में किया पथराव

खंडवा ■ अमृत दर्शन

खंडवा में पुलिस थाने में पथराव मामले में कार्रवाई की गई है। 22 नामजद समेत कुल 47 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर बवाल हुआ था। शिकायत दर्ज कराने आई भीड़ ने हंगामा करते हुए थाना परिसर में पथराव कर दिया था।

यह पूरा मामला खंडवा के मोघट थाना क्षेत्र का है। जहां इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर वायरल हुई थी, जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली थी। फरियादी मुजाहिद कुरैशी शिकायत करने मोघट थाने पहुंचा था। पुलिस ने सुनवाई करते हुए कायमी की। इस

22 नामजद समेत 47 पर केस दर्ज

मामले में कायमी बीएनएस की धारा 199 के तहत की गई। जिस व्यक्ति ने पोस्ट डाली है, उसे राउंड-अप भी किया गया है। बाद में फरियादी मुजाहिद के साथ बड़ी संख्या में भीड़ थाना परिसर में पहुंचीं और पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश की, जिससे लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बनी। सिटी एसपी ने तीन थानों के बल के साथ स्थिति को संभाला। एएसपी महेंद्र तारनेकर ने कहा कि स्थिति शांतिपूर्ण है। साथ ही पुलिस ने अपील की है कि पर्व त्योहार के मौके पर किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। पुलिस को सूचना दें, तत्काल कार्रवाई की जाएगी। खंडवा सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने बताया कि कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित हुई थी। हालांकि स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है। पुलिस ने उपद्रवी तत्वों को हिरासत में लिया है। यथास्थिति सामान्य है।

निगम-मंडल और एल्डरमैन की नियुक्ति के लिए केंद्रीय नेतृत्व की मुहर जल्द

पूर्व मंत्री और हारे हुए नेताओं को जगह नहीं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में लंबे समय से प्रतीक्षित निगम-मंडल की नियुक्तियों को लेकर सियासत तेज हो गई है। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संकेत दिया है

बीजेपी प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक अगले माह

कि पार्टी की ओर से नाम लगभग तय कर लिए गए हैं और अब केंद्रीय नेतृत्व की मुहर के बाद सूची जल्द जारी की जा सकती है। पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में खंडेलवाल ने कहा कि प्रदेश संगठन अपने हिस्से का काम पूरा कर चुका है। अब अंतिम निर्णय केंद्रीय नेतृत्व के स्तर पर होना है। उन्होंने बताया कि पार्टी की प्राथमिकता पहले संगठन की सभी नियुक्तियों को पूरा करना है, जिसके बाद निगम-मंडल की सूची जारी की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि एल्डरमैन की नियुक्तियों के बाद ही निगम-मंडल के पदों की घोषणा की जाएगी। इससे संकेत मिल रहा है कि लंबे समय से इंतजार कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को जल्द जिम्मेदारी मिल सकती है।

कांग्रेस से आए नेताओं को भी मिलेगा मौका

खंडेलवाल ने यह भी इशारा किया कि कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए योग्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी मौका दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने साफ किया कि हारे हुए नेताओं और पूर्व मंत्रियों को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। पार्टी युवाओं और काबिल कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने पर ज्यादा फोकस करेगी।

अप्रैल में होगी पहली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि नई प्रदेश कार्यकारिणी की पहली कार्यसमिति बैठक अप्रैल में आयोजित की जाएगी। इसके बाद हर तीन महीने में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक नियमित रूप से होगी। अब राजनीतिक गलियारों में नजर इस बात पर टिकी है कि निगम-मंडल की बहुप्रतीक्षित सूची कब जारी होती है और उसमें किन नेताओं को जगह मिलती है।

सरकार ने जारी किए नए नियम

तमिलनाडु के निजी स्कूलों में सियासी और धार्मिक कार्यक्रमों पर लगी रोक

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने निजी स्कूलों के कैंपस में राजनीतिक, वैचारिक या सामुदायिक गतिविधियों पर आधिकारिक रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि स्कूल कैंपस को केवल पढ़ाई के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 2 मार्च को एक सरकारी आदेश जारी किया। इसके तहत तमिलनाडु निजी स्कूल (रेगुलेशन) नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं।

इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि स्कूल के संसाधनों का इस्तेमाल केवल छात्रों की भलाई और पढ़ाई के लिए हो। नए नियमों के अनुसार, स्कूल की किसी भी जगह का इस्तेमाल कोई बाहरी व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी। इसमें स्कूल की बिल्डिंग, खेल का मैदान और हॉल शामिल हैं। कोई भी संस्था यहां राजनीतिक मीटिंग, प्रचार या किसी खास विचारधारा से जुड़ा कार्यक्रम नहीं कर पाएगी। सरकार ने उन गतिविधियों को खास तौर पर निशाना बनाया है जिनसे धर्म, जाति या भाषा के आधार पर नफरत फैलने का खतरा हो। यह पाबंदी केवल स्कूल के समय तक सीमित नहीं है।

हिस्ट्रीशीटर ने किसान की 5 गोलियां मारकर हत्या की

बेटे पर भी की फायरिंग; छोटे भाई को थप्पड़ मारने का बदला लेने पहुंचा था

सतना ■ निसं

सतना में हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने साथियों के साथ मिलकर किसान को 5 गोलियां मारीं। इनमें से दो गोलियां किसान की पीठ जबकि एक-एक पेट, गर्दन और पसली में लगीं। ज्यादा खून बह जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात नागौद थाना इलाके के बारापत्थर गांव में बुधवार शाम की है। हमलावरों ने किसान के बेटे पर भी फायरिंग की। वह गंभीर घायल है।

पुलिस ने बताया- हत्याकांड को बारापत्थर निवासी चंदन यादव ने अंजाम दिया है। उस पर पहले से कई केस दर्ज हैं। चंदन दिसंबर 2025 में एक महीने की पैरोल पर जेल से बाहर आया था, लेकिन तय अवधि पूरी होने के बाद भी वापस नहीं लौटा। पुलिस तभी से उसकी तलाश कर रही है।

बदमाश के छोटे भाई को मारे थे थप्पड़: पुलिस के मुताबिक, बुधवार शाम को चंदन का छोटा भाई शरद यादव ग्रामीणों के साथ गाली-गलौज कर रहा था। अभय उर्फ बब्लू यादव (50) ने उसे डांटते हुए दो थप्पड़ मार दिए। इस बात से नाराज होकर शरद ने अपने भाई चंदन को फोन लगा दिया। अपमान का बदला लेने की बात कही।

गुरुवार रात करीब साढ़े 9 बजे चंदन अपने 5 साथियों के साथ बारापत्थर गांव पहुंचा। उस समय अभय अपने घर की छत पर टहल रहा था। चंदन ने पिस्टल निकालकर अभय पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अभय को कुल 5 गोलियां लगीं। उसने वहीं दम तोड़ दिया।

बेटे पर फायरिंग की, पैर में लगी गोलियां: इसके बाद चंदन समेत सभी आरोपी गांव से करीब एक किलोमीटर दूर अभय के बेटे राणा यादव (25) की किराना दुकान पर पहुंचे। उस पर कई राउंड फायर किए। जान बचाने के लिए राणा दुकान छोड़कर भागा, लेकिन उसके दाहिने पैर में दो गोलियां लग गईं। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद चंदन ने अभय के छोटे बेटे राजा यादव को को फोन लगाकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

अभय पर हत्या के दो मामलों समेत कई अपराध दर्ज: फिलहाल, नागौद समेत आसपास के थानों की पुलिस चंदन यादव और उसके साथियों की तलाश में जुटी है। ऐहतियातन गांव में पुलिस तैनात की गई है। पुलिस के मुताबिक, अभय उर्फ बब्लू यादव के खिलाफ भी हत्या के दो मामलों समेत कई अपराध दर्ज थे। वह जेल भी जा चुका था।

घायल बेटा निजी अस्पताल में भर्ती

परिजन की सूचना पर नागौद थाना प्रभारी अशोक पांडेय टीम के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी भाग निकले। पुलिस ने अभय यादव के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चुरी में रखवाया, जबकि राणा को सिविल अस्पताल नागौद पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में इलाज के बाद परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए।

सीहोर में कलयुगी ताऊ का खूनी खेल

परीक्षा देने जा रहे भाई-बहन पर लठ से किए ताबड़तोड़ वार, गई जान

सीहोर ■ निसं

पुरानी रंजिश के चलते रिश्ते के एक ताऊ ने अपने ही भतीजे और भतीजी पर लठ से हमला कर दिया। हादसे में दोनों भाई-बहनों की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

जिले में शुक्रवार सुबह रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। ग्राम धरमपुरी में पुरानी रंजिश के चलते एक ताऊ ने अपने ही भतीजे और भतीजी को लठ से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। दोनों भाई-बहन परीक्षा देने घर से निकले थे लेकिन रास्ते में ही उन पर हमला कर दिया गया। जानकारी के अनुसार मामला सिद्दीकगंज थाना क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी का है। यहां आरोपी ताऊ हरिसिंह मालवीय ने अपने भतीजे कुलदीप (18 वर्ष) और भतीजी शीतल (20 वर्ष) पर लठ से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में दोनों बुरी तरह घायल होकर जमीन पर गिर पड़े और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। इस दोहरे हत्याकांड के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

बताया जा रहा है कि शीतल और कुलदीप शुक्रवार सुबह घर से परीक्षा देने के लिए निकले थे। जैसे ही वे घर से कुछ दूरी पर पहुंचे, रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे आरोपी ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद उसने दोनों पर लगातार लठ से वार करना शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले से दोनों संभल भी नहीं सके और गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि यह घटना अचानक नहीं हुई, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दी गई है। मृतकों के पिता जगदीश मालवीय का कहना है कि आरोपी को पहले से जानकारी थी कि दोनों बच्चे उस दिन परीक्षा देने जाने वाले हैं। इसी वजह से वह सुबह से ही रास्ते में लठ लेकर घात लगाकर बैठा हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

सागर के कड़ान सतगढ़ बांध में डूबी 7 भैंसें, मौत,6 लाख थी कीमत

सागर। सागर में नरयावली थाना क्षेत्र के ग्राम वनगुआं के पास कड़ान सतगढ़ बांध में डूबने से 7 भैंसों की मौत हो गई। भैंसों की कीमत करीब 6 लाख रुपए थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पंचनामा कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम वनगुआं निवासी किसान रामजी पिता बाबूलाल पटेल की सात भैंसें रोजाना की तरह चरने के लिए गांव के पास गई थी। लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। भैंसों के वापस नहीं आने पर किसान और उसके परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में उनकी तलाश शुरू की, लेकिन रात तक उनका कोई पता नहीं चल सका। सुबह फिर से खोजबीन शुरू की गई। इसी बीच कड़ान सतगढ़ बांध में एक भैंस नजर आई। ग्रामीणों ने पानी में उतरकर देखा तो सभी भैंसें पानी में मिली। उनकी मौत हो चुकी थी।

खंडवा रोड पर पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात खंडवा रोड पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक से घर जा रहे युवक को पीछे से आए पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान पूरन सिंह (26) पुत्र बहादुर सिंह के रूप में हुई है, जो सिलिकॉन सिटी क्षेत्र में किराए से रहता था। हादसे के बाद राहगीरों ने उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी। देर रात उसकी मौत हो गई, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक पूरन सिंह गुरुवार रात अपनी बाइक से गाजिंदा गांव जाने के लिए निकला था। इसी दौरान खंडवा रोड पर पीछे से आए एक पिकअप वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

नाबालिग को सब्जी देने बुलाकर दुष्कर्म का प्रयास

विदिशा। विदिशा के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक 12 साल की नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोप है कि 45 वर्षीय सुरेश ने इस घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी छत से गिरकर घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने नाबालिग को सब्जी देने के बहाने अपने घर बुलाया था। घर के अंदर उसने नाबालिग से दुष्कर्म करने की कोशिश की। उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। नाबालिग की आवाज सुनकर उसका बड़ा भाई मौके पर पहुंच गया। उसने अपनी बहन को आरोपी के चंगुल से बचाया। घटना के समय नाबालिग की मां परिवार में किसी सदस्य के निधन पर गई हुई थी, जबकि पिता घर पर सो रहे थे। मां के घर लौटने पर उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी गई।

बैतूल के चिचोली बस स्टैंड पर चलेगा सरकारी बुलडोजर

बैतूल। बैतूल जिले के चिचोली में नगर परिषद प्रशासन ने बस स्टैंड क्षेत्र की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। नवनिर्मित बस स्टैंड के आसपास सरकारी जमीन पर कब्जा जमाए 20 अतिक्रमणकारियों को अंतिम नोटिस जारी किया गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सैयद आरिफ हुसैन ने बताया कि नोटिस जारी होने के बाद अतिक्रमणकारियों को सात दिन का समय दिया गया है। उन्हें इस अवधि में स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। यदि तय समय सीमा में कब्जा नहीं हटाया गया, तो नगर परिषद द्वारा बलपूर्वक कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया जाएगा।

पीएम आवास की पानी टंकी में मिलीं 5 मरी छिपकलियां, 1300 फ्लैट्स में सप्लाई, दहशत में रहवासी

बोले-क्या भागीरथपुरा बनाना चाहता है ग्वालियर नगर निगम

ग्वालियर ■ निसं

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौतों के बीच ग्वालियर में भी पीने के पानी में बड़ी लापरवाही सामने आई है। मानपुर क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने फ्लैटों की पानी की टंकी में मरी हुई पांच छिपकलियां मिलीं हैं। टंकी से करीब 1300 फ्लैटों में रहने वाले परिवारों को पानी की सप्लाई की जाती है। पानी की टंकी में मरी छिपकली मिलने से रहवासी भड़क गए हैं। नगर निगम पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। लोगों का कहना है कि टंकी की नियमित सफाई नहीं हुई। ढक्कन ठीक से बंद न रहने से छिपकली गिरकर मरीं। क्या नगर निगम के अफसर भागीरथपुरा बनाना चाहते हैं।

टंकी का ढक्कन खोलने पर मरी छिपकलियां मिलीं: स्थानीय लोगों का कहना है कि फेस-वन में ब्लॉक ई-52 की पानी की टंकी से आने वाले पानी की क्वॉलिटी पर शक हो रहा था। पानी में बदबू और गंदगी महसूस होने के बाद कुछ लोगों ने टंकी की जांच की। टंकी का ढक्कन खोला तो अंदर मरी हुई छिपकलियां पड़ी हुई थीं।

इसके बाद लोगों ने टंकी से उन्हें बाहर निकाला। पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बना लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। टंकी में छिपकलियां मिलने की खबर फैलते ही परिसर में दहशत का माहौल बन गया। लोगों को डर है कि कई दिनों से यह पानी उनके घरों में सप्लाई हो रहा था। संभव है कि वे अनजाने में दूषित पानी पी चुके हों।

कुछ रहवासियों का कहना है कि टंकी के ढक्कन की स्थिति भी ठीक नहीं है, जिससे बाहर से कीड़े-मकोड़े या अन्य जीव अंदर गिर सकते हैं। उनका आरोप है कि अगर समय पर टंकी की सफाई और रखरखाव किया जाता तो ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती।

अधिकारियों से मुलाकात के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई: बताया जा रहा है कि हाल ही में कॉलोनी के कुछ प्रतिनिधियों ने इस समस्या को लेकर नगर निगम के अधिकारियों से मुलाकात भी की थी। उस समय अधिकारियों ने टंकियों की सफाई और व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया था, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मामले को लेकर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिया ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है।

डर से कैन या आरओ का पानी मंगाने लगे रहवासी

रहवासियों का कहना है कि अधिकांश परिवारों के घरों में आरओ या अन्य फिल्टर सिस्टम नहीं है। वे सीधे टंकी से आने वाले पानी का उपयोग पीने और खाना बनाने के लिए करते हैं। लोगों में स्वास्थ्य को लेकर चिंता और नाराजगी दोनों बढ़ गई हैं। कई परिवारों ने फिलहाल टंकी का पानी पीना बंद कर दिया है। बाहर से कैन या आरओ का पानी मंगाने लगे हैं।

2 साल से नहीं हुई नियमित सफाई

फ्लैटों में रहने वाले लोगों का आरोप है कि पिछले दो साल से वे यहां रह रहे हैं। छत पर बनी पानी की टंकी की नियमित सफाई नगर निगम नहीं करा रहा है। कई बार उन्होंने शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

सिद्ध बाबा रेलवे ट्रैक पर युवक की ट्रेन से कटकर मौत

पटरी के पास मिली बाइक, आत्महत्या की आशंका

शहडोल ■ निस

सिद्ध बाबा के पास रेलवे ट्रैक पर युवक की मौत की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ट्रेन की चपेट में आने से युवक की जान चली गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिले के पपौंध थाना क्षेत्र में सिद्ध बाबा के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान पपौड़ गांव निवासी पुष्पेंद्र साहू (22) पिता रोहित साहू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक गुरुवार शाम किसी काम से घर से निकला था लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

तलाश के दौरान परिजन सिद्ध बाबा रेलवे ट्रैक के पास शुक्रवार सुबह पहुंचे, जहां युवक का शव पटरी पर पड़ा मिला, वहीं रेलवे लाइन के पास उसकी बाइक खड़ी हुई मिली। युवक का शव देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पपौंध थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को घटनास्थल के पास युवक की बाइक खड़ी मिली है, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि युवक ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या की हो सकती है।

शराब के नशे में परिजनों से हुआ विवाद, युवक की लाठी-डंडों से पिटाई, जांच में जुटी पुलिस

टीकमगढ ■ निसं

देहात थाना क्षेत्र में शराब के नशे में घर पहुंचे एक युवक को उसके ही परिजनों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जिले के देहात थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि युवक को उसके ही परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों से जमकर पीट दिया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो अब इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दो से तीन लोग मिलकर युवक के साथ मारपीट कर रहे हैं, जबकि आसपास मौजूद कुछ लोग घटना को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड करते नजर आ रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान शिवचरण उर्फ बाबू अहिरवार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बाबू गुरुवार को शराब के नशे में अपने घर पहुंचा था। इसी दौरान घर में मौजूद परिवार के सदस्य भागचंद अहिरवार, प्रकाश अहिरवार और मनोज अहिरवार के साथ किसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हो गई। शुरुआत में यह विवाद सामान्य बहस तक सीमित था लेकिन देखते ही देखते मामला बढ़ गया और विवाद मारपीट में बदल गया।

बताया जाता है कि विवाद बढ़ने पर तीनों लोगों ने मिलकर बाबू अहिरवार पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान मोहल्ले के कुछ लोग मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने बीच-बचाव करने की कोशिश भी की लेकिन तब तक युवक के साथ काफी मारपीट हो चुकी थी। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर भी सामने आ गया।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस भी सक्रिय हो गई है। देहात थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शराब के नशे में हुई कहासुनी के बाद यह विवाद हुआ था, जिसके बाद परिवार के तीन लोगों ने मिलकर युवक के साथ मारपीट की।

देहात थाना के बीट प्रभारी अभय मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित पक्ष को पूछताछ के लिए थाने बुलाया है। पीड़ित के बयान दर्ज किए जाने के बाद आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है और वीडियो की भी जांच की जा रही है।

सागर में मिला तीन दिन पुराना युवक का शव

सागर। सागर के कैंट थाना क्षेत्र में स्थित 28 नंबर गेट के पास रेलवे पंप हाउस के कुएं में युवक का शव मिला है। शव करीब तीन दिन पुराना होना बताया जा रहा है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, पंप हाउस के कुएं से दुर्गंध आ रही थी। दुर्गंध आते देख कर्मचारियों ने कुएं में देखा तो पानी में शव नजर आया। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कैंट पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीईआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने रस्सियों की मदद से रेस्क्यू कर शव को पानी से बाहर निकाला शव पुराना होने से सड़-गल गया था। जिससे उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है। कैंट पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। मृतक की पहचान के लिए शहर समेत आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जांच की जा रही है।

शादी का झांसा देकर युवक से 40 हजार की ठगी

शिवपुरी ■ निसं

शिवपुरी जिले के बामौरकला थाना क्षेत्र के विजरावन गांव में शादी कराने के नाम पर एक युवक से 40 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

विजरावन गांव निवासी राहुल लोधी ने बताया कि उनकी शादी नहीं हो पा रही थी। इसी दौरान गांव के सुरेश पंडा ने उनसे शादी कराने की बात कही और इसके लिए 40 हजार रुपए मांगे। शादी की उम्मीद में राहुल ने उसकी बात मान ली। सुरेश ने उन्हें एक युवती की फोटो भी दिखाई थी।

पीड़ित बोला-सादे कागज पर हस्ताक्षर कराए: राहुल के मुताबिक 26 सितंबर 2025 को उन्होंने सुरेश पंडा को 40 हजार रुपए दे दिए। इसके बाद सुरेश उन्हें शिवपुरी कोर्ट ले गया, जहां एक युवती भी मौजूद थी। वहां सादे कागज पर राहुल और युवती के हस्ताक्षर कराए गए और कहा गया कि कुछ दिनों बाद युवती को उसके घर से विदा कर दिया जाएगा।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का गुर्गा गिरफ्तार

10 करोड़ की फिरौती के लिए घर पर फेंकने थे पेट्रोल बम

अशोकनगर ■ निस

अशोकनगर पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े 19 वर्षीय आरोपी को छह पेट्रोल बम सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी व्यापारी से 10 करोड़ की फिरौती मांगकर हमला करने की फिराक में था। पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

मध्य प्रदेश के अशोक नगर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय शूटर गैंग लॉरेंस बिश्नोई की एक बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए हैरी बॉक्सर और ऋतिक बॉक्सर के एक गुर्गे को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया 19 वर्षीय आरोपी मनीष जांगिड़ राजस्थान का रहने वाला है, जो शहर के एक प्रतिष्ठित व्यापारी अंकित अग्रवाल से 10 करोड़ रुपये की फिरौती वसूलने और दहशत फैलाने के लिए उनके घर पर 6 पेट्रोल बम से हमला करने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी को बम और अन्य सामग्री के साथ गिरफ्तार कर लिया है और फिलहाल उससे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने गुरुवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 12 फरवरी को शहर के व्यापारी अंकित अग्रवाल को व्हाट्सएप कॉल, वीडियो कॉल और वॉइस नोट के जरिए हैरी बॉक्सर के नाम से धमकी मिली थी। इसमें 10 करोड़ रुपये की मांग की गई थी और पैसे न देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने सादे कपड़ों में शहर के होटलों, लॉज और बस स्टैंड पर सघन चेकिंग अभियान शुरू किया और जयपुर, जैसलमेर, इंदौर से लेकर गोवा तक तकनीकी साक्ष्य जुटाए।

पेट्रोल बम लेकर घूम रहा था आरोपी: शहर में पुलिस की कड़ी निगरानी के दौरान, 5 मार्च की रात मिलन तिराहे के पास फरियादी व्यापारी के घर के आसपास एक युवक संदिग्ध हालत में घूमता मिला। पुलिस ने जब उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली, तो उसके पास से छह पेट्रोल बम, दो मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल और एक फर्जी आधार कार्ड बरामद हुआ। पूछताछ में पता चला कि वह पिछले आठ दिनों से फर्जी आधार कार्ड के जरिए एक होटल में रुका था और खुद को व्यापारी बताकर लोगों को गुमराह करते हुए स्टेशन रोड इलाके की रेकी कर रहा था।

अशोकनगर के बाद इंदौर में अंजाम देनी थी वारदात: पूछताछ में जयपुर राजस्थान के साकून दादू निवासी आरोपी मनीष जांगिड़ ने बताया कि वह साल 2024 में हुए जयपुर क्लब फायरिंग कांड के बाद ऋतिक बॉक्सर के संपर्क में आया था। इसके बाद वह हैरी बॉक्सर से जुड़ा और गैंग के लिए काम करने लगा। इस वारदात को अंजाम देने के लिए उसे एक लाख रुपये एडवांस दिए गए थे, जिससे उसने स्थानीय स्तर पर एक पेज के माध्यम से मोटरसाइकिल भी खरीदी थी। अशोकनगर की वारदात के बाद उसे एक अन्य घटना को अंजाम देने के लिए इंदौर जाना था।

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की जांच: पुलिस ने आरोपी मनीष को गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ शुरू कर दी है। इसके साथ ही, हैरी बॉक्सर और ऋतिक बॉक्सर के खिलाफ तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और उनके ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की बारीकी से जांच की जा रही है।

मऊगंज 95 वर्षीय वृद्धा की झुलसने से मौत

शिवराजपुर में धुआं देख परिजन पहुंचे, तब तक हो चुकी थी मौत

मऊगंज ■ निस

मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के शिवराजपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक घर में आग लगने से 95 वर्षीय वृद्धा की झुलसकर मौत हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने धुआं उठता देख मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वृद्धा का निधन हो चुका था।

यह घटना शुक्रवार सुबह लगभग 6 बजे की बताई जा रही है। मृतिका की पहचान शिवराजपुर निवासी रुकमनिया तिवारी (95) पत्नी स्व. राजबहोर तिवारी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी परिवार के सदस्य आदर्श तिवारी ने पुलिस को दी। आदर्श तिवारी ने बताया कि वह सुबह घर में सो रहा था, तभी उनकी मां शिववती तिवारी ने रुकमनिया तिवारी के घर से धुआं और आग की लपटें उठने की सूचना दी।

शोर सुनकर आदर्श तिवारी तुरंत मौके पर पहुंचे और देखा कि कमरे के अंदर आग लगी हुई थी। गांव के अन्य लोग भी वहां पहुंच गए और बाल्टी और पंप की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। आग बुझने के बाद जब लोग कमरे के अंदर गए, तो रुकमनिया तिवारी जमीन पर जली हुई अवस्था में मृत पाई गईं। आग की चपेट में चारपाई, बिस्तर, कपड़े और कमरे की लकड़ी भी जल गई।

शुजालपुर नगरपालिका परिषद ने जन सेवा और लोक कल्याण के 100 वर्ष पूर्ण किए हैं

नगरपालिका परिषद का शताब्दी वर्ष शुजालपुर के हर नागरिक के सम्मान का उत्सव : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नगरपालिका परिषद का शताब्दी वर्ष शुजालपुर के हर नागरिक के सम्मान का उत्सव है। यह हमारी विरासत, उपलब्धियों और सामूहिक संकल्प का पर्व है। जटाशंकर महादेव की असीम कृपा से शुजालपुर नगरपालिका ने जन सेवा और लोक कल्याण के 100 वर्ष पूर्ण किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुजालपुर नगरपालिका के नए भवन के लिए 3 करोड़ रुपए और नगरपालिका क्षेत्र में सड़कों सहित अन्य विकास कार्य के लिए दो करोड़ रुपए नगरपालिका परिषद शुजालपुर को उपलब्ध कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को शुजालपुर नगरपालिका परिषद के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शुजालपुर में आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह को मंत्रालय भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। शुजालपुर में हुए कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह सिंह परमार, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शुजालपुर में स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों में निरंतर प्रगति हो रही है। नगर को राष्ट्रीय रैंकिंग में और बेहतर स्थान पर लाने के लिए आगामी वर्षों में अतिरिक्त प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गत 2 वर्षों में शुजालपुर में ऑडिटोरियम और सीसी रोड के लिए 5 करोड़ रुपए,

कायाकल्प योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण के लिए 6 करोड़ 60 लाख रुपए, अमृत 2 के अंतर्गत जलप्रदाय के लिए 12 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शुजालपुर वीरों की भूमि रही है। जब पेशवा बाजीराव प्रथम ने मालवा में विजय का परचम लहराया तब शुजालपुर उनकी रणनीतिक प्राथमिकता में था। इस पावन धरा पर पेशवाओं की सेना का नेतृत्व करते हुए राणो जी शिंदे ने मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनकी स्मृति में बना भव्य शिव मंदिर और ऐतिहासिक छतरी आज भी हमें शौर्य की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शौर्य और संकल्प की नींव पर आज से ठीक 100 वर्ष पहले 1926 में नगरपालिका परिषद का गठन शुजालपुर में हुआ था। एक उज्जवल भविष्य का संकल्प आज वट वृक्ष बन चुका है। वर्तमान में शुजालपुर विकास का मॉडल बन रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में जारी गतिविधियों के परिणाम स्वरूप शुजालपुर क्षेत्र में सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा सुविधाओं, व्यापार-व्यवसाय गतिविधियों आदि में निरंतर प्रगति हो रही है। परिषद के माध्यम से राज्य सरकार हर घर तक सड़क-बिजली और पानी पहुंचाने के संकल्प को सिद्ध कर रही है। शहर की पेयजल समस्या का समाधान काफी हद तक करने का प्रयास किया गया है। नगर में 21 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से जमघड़ नदी को साफ रखने की तैयारी है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उपहार के समान होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुजालपुर को विकास के शिखर पर ले जाने के लिए जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने का आहवान किया। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में गत 2 वर्षों में विकास और जनकल्याण की दृष्टि से क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। मंत्री श्री परमार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से नए और बड़े बस स्टैंड के लिए भूमि आवंटित करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम को नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार ने भी संबोधित किया। शुजालपुर के कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्री विजेंद्र सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बेटों की शराब की लत से परेशान मॉं ने होलिका दहन के बाद फांसी लगाई

भोपाल। कजलीखेड़ा थाना इलाके में रहने वाली महिला ने मंगलवार को होलिका दहन के बाद रात करीब 12 :30 बजे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। शुरुआती जॉच में सामने आया है की मृतका अपने बेटों की शराब की लत को लेकर काफी तनाव में रहती थी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बैरागढ़ चीचली गांव में रहने वाली पुष्पा बाई पति विरेंद्र सिंह (50) घरेलू महिला थीं। उनके पति मजदूरी करते हैं। पुष्पा के दो बेटे और एक बेटी हैं। तीनों की शादी हो चुकी है। उसके बेटो को शराब पीने की लत हैं। शराब के नशे में बेटे आए दिन परिजनों से विवाद करते थे। जब मां उन्हें समझाइश देते हुए शराब न पीने का कहती तब वह उनसे भी विवाद करते थे। बेटों की शराब की लत से पुष्पा काफी दुखी रहती थीं। बुधवार रात पुष्पा के घर के पास होलिका दहन किया गया। वह होलिका दहन देखकर अपने घर के अंदर चली गईं। इस दौरान उनके बेटे और बहू पड़ोस में रहने वाली मौसी के घर गए थे। उधर पुष्पा ने तोलिये का फंदा बनाकर पाइप के सहरे फांसी लगा ली। जब बच्चें वापस घर लौटे तो उन्हें मां का शव फंदे पर लटक नजर आया, इसके बाद हादसे की सूचना पुलिस को दी गई।

विश्व श्रवण दिवस पर एम्स भोपाल में जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल। एम्स भोपाल निरंतर सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता और निवारक सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में विश्व श्रवण दिवस (03 मार्च) के अवसर पर कॉम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी), भोपाल के सहयोग से नर्सिंग कॉलेज, एम्स भोपाल द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अवेयरनेस जनरेशन एंड पब्लिसिटी कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सीआरसी भोपाल की डॉ. पूनम एवं नियाज़ी ने विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं और विशेष रूप से श्रवण संबंधी समस्याओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने श्रवण हानि की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और पुनर्वास के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि समय पर जांच और उचित हस्तक्षेप से श्रवण अक्षमता के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

बाइक की टक्कर से पैदल जा रहे सिक्योरिटी गार्ड की मौत

भोपाल। शहर के कमला नगर इलाके में पैदल जा रहे सिक्योरिटी गार्ड को बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे में समय मृतक ड्यूटी से वापस घर लौट रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बाबूलाल सूर्यवंशी पुत्र बिट्ठल सूर्यवंशी (60) निवासी राहुल नगर जेके अस्पताल में सुरक्षा गार्ड नौकरी करते थे। बुधवार देर रात वह ड्यूटी के बाद पैदल वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान राहुल नगर में उन्हें बाइक सवार ने टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में उनके सिर में घातक चोट आई थी। मौके पर मौजूद लोगो ने उन्हें एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल पहुचांया था, जहॉ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर गुरुवार को पीएम के बाद शव परिवार वालो को सौंपते हुए आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

जल संरचनाओं के जलग्रहण क्षेत्र पर अतिक्रमण के विरूद्ध की जाए कार्यवाही

जल गंगा संवर्धन अभियान विकास का आधार और भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने का प्रयास : मुख्यमंत्री

- अभियान में ग्राम स्तर तक जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना आवश्यक
- नदियों के उद्गम स्थलों को व्यवस्थित रूप से किया जाए विकसित
- सार्वजनिक स्थलों पर सुगमता से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना व्यक्तिगत और सामाजिक दायित्व हो

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल पर्यावरण नहीं, विकास का आधार भी है। यह भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने का भी एक प्रयास है। अभियान अंतर्गत संचालित हर गतिविधि में राज्य से ग्राम स्तर तक जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। भू-जल स्त्रोतों के दोहन से गिरते भू-जल स्तर, प्राचीन जल संग्रहण संरचनाओं के क्षरण और नदियों के कम होते प्रवाह का प्रभाव सभी पर पड़ रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रदेश में पिछले जल गंगा संवर्धन अभियान के सुखद परिणाम प्राप्त हुए हैं। वर्ष-2026 के अभियान में भी हमें जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभियान को प्रभावी और परिणामूलक बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में गुरूवार को आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री अशोक बर्णवाल, श्री संजय दुबे, श्री नीरज मंडलोई, श्रीमती दीपाली रस्तोगी, श्री शिवशेखर शुक्ला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। समस्त जिला कलेक्टर्स वर्चुअली शामिल हुए। बैठक में वर्ष 2025 के जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रमुख उपलब्धियों और वर्ष-2026 की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संरचनाओं के जलग्रहण क्षेत्र पर अतिक्रमण के?विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसी गतिविधियों पर सतत् रूप से निगरानी रखने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश से निकलने वाली नदियों के उद्गम स्थलों को व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाएगा और उनके आस-पास सघन पौधरोपण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में व्यक्तिगत पहल तथा सामुदायिक सहभागिता से प्याऊ लगाने की व्यवस्था को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने प्लास्टिक की बोतल के उपयोग को हतोत्साहित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सार्वजनिक स्थलों पर सुगमता से स्वच्छ शीतल पेयजल उपलब्ध कराने को सामाजिक दायित्व के रूप में समाज में स्थापित करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिन जिलों में बेहतर नवाचार हुए हैं, वे अपने यह प्रयास अन्य जिलों से साझा करें तथा जिले परस्पर इस तरह के नवाचारों का आदान-प्रदान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रभारी मंत्री जिला स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान को नेतृत्व प्रदान करें। सांसद, विधायक, पंचायत, नगरीय निकाय के सभी प्रतिनिधि सक्रियता से अभियान में सहभागिता करें। मैदानी स्तर पर कार्य कर रहे स्वयंसेवी संस्थाओं और सीएसआर संगठनों को भी जनसहभागिता संबंधी गतिविधियों में जोड़ा जाए। जिला कलेक्टर नोडल अधिकारी के रूप में कार्यों के क्रियान्वयन की प्रभावी मॉनीटरिंग सुनिश्चित करें। अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग नोडल और नगरीय प्रशासन एवं विकास सह नोडल विभाग होगा। राजस्व, जल संसाधन, उद्यानिकी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नर्मदा घाटी विकास, वन, जन अभियान परिषद, उद्योग एवं एमएसएमई, पर्यावरण, संस्कृत, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा तथा कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग सहभागिता करेंगे।

उप मुख्यमंत्री के निवास पर हुआ होली मिलन

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल होली महापर्व पर अपनों के संग होली के रंग में रंगे। उन्होंने सभी से आत्मीयता से मिलते हुए होली की शुभकामना दी तथा लोगों ने भी उप मुख्यमंत्री शुक्ल को अबीर-गुलाल लगाया। उप मुख्यमंत्री के अमहिया निवास में होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उप मुख्यमंत्री ने स्थानीयजनों के साथ होली खेलते हुए फाग का गायन किया तथा फाग गायन के दौरान बजाये जाने वाले परंपरागत वाद्य नगरिया का वादन भी किया।

श्रीमद भागवत कथा में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आज सतना जिले के ग्राम चोरमारी, पहुँच कर श्रीमद भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने ग्राम चोर मारी मे आयोजित संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री बद्री प्रपन्नाचार्य जी महाराज (युवराज स्वामी जी) के श्रीमुख से अमृतमयी कथा का श्रमण किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने संतों के पावन सान्निध्य में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति एवं धर्ममय परंपराओं से जुड़कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

'साहित्य, संस्कार एवं राष्ट्रबोध' विषय पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

'साहित्य, संस्कार एवं राष्ट्रबोध' विषय वस्तुतः भारतीय सांस्कृतिक चेतना के त्रिवेणी-संगम का प्रतीक : आलोक संजर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, संस्कृति विभाग द्वारा 'क़लम की रोशनी' श्रृंखला के अंतर्गत 'साहित्य, संस्कार एवं राष्ट्रबोध' विषय पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ 5 मार्च को दोपहर 2.00 बजे महादेवी वर्मा सभागार में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद, साहित्यकार एवं कवि आलोक संजर ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'साहित्य, संस्कार एवं राष्ट्रबोध' विषय वस्तुत: भारतीय सांस्कृतिक चेतना के त्रिवेणी-संगम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह विषय गंगा, यमुना और सरस्वती की उस सांस्कृतिक धारा का द्योतक है, जिसमें विविधता के बीच एकता और आध्यात्मिक संवेदना का प्रवाह सतत बना रहता है। उर्दू भाषा के संस्कार इसी व्यापक भारतीय परंपरा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि उर्दू अकादमी द्वारा चुना गया यह विषय वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है और समाज में सकारात्मक वैचारिक वातावरण निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

दिल्ली से पधारे ख़लील उर रहमान ने 'उर्दू भाषा एवं साहित्य के परिप्रेक्ष्य में संस्कार एवं राष्ट्रबोध' विषय पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उर्दू साहित्य ने मनुष्य के मनुष्य से, मनुष्य के ब्रह्मांड से और व्यक्ति के स्वयं अपने अस्तित्व से संबंधों की अत्यंत सूक्ष्म और सुंदर व्याख्या की है। साहित्यकार जीवन को अपनी कल्पना की ऊँचाई से देखकर उसे अनुभूति की कसौटी पर परखता है और भावों की कुठाली में तपाकर कुंदन सा रूप देता है। उन्होंने कहा कि यहाँ जीवन से आशय किसी एक व्यक्ति का जीवन नहीं, बल्कि वह सतत जीवन है जो ब्रह्मांड के अस्तित्व तक बना रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आज उर्दू भाषा भौगोलिक सीमाओं से परे पहुँच चुकी है। यूरोप, लंदन, खाड़ी देशों, अमेरिका और कनाडा में भी उर्दू साहित्य सृजित हो रहा है, किंतु जहाँ कहीं भी उर्दू पहुँची है।

निगम अमले ने शहर के 33 आवारा 'श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा

भोपाल। नगर निगम द्वारा आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी व एंटीरैबीज टीकाकरण की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। कार्यवाही के इसी क्रम में निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 33 आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा। निगम अमले ने नसबंदी उपरांत 46 श्वानों को वापस उसी स्थान पर छोड़ा। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने गुरूवार को विभिन्न जोन क्षेत्रों में आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही करते हुए 19 श्वानों को कजलीखेड़ा स्थित एबीसी सेंटर भेजा तथा 14 श्वानों को अरवलिया एबीसी सेंटर भेजने की कार्यवाही की।

मंत्री सारंग ने मंदिर में किया पूजन-अर्चन

भाईदूज/यम द्वितीया के अवसर पर भगवान चित्रगुप्त मंदिर में विशेष पूजन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भाईदूज/यम द्वितीया के अवसर पर गुरुवार को कोटरा स्थित श्री राम जानकी चित्रगुप्त मंदिर में मां ईरावती चित्रगुप्त संस्कृति एवं सामाजिक न्यास के तत्वाधान में भगवान श्री चित्रगुप्त जी का विशेष पूजन एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग सम्मिलित होकर भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

मंत्री सारंग ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त न्याय, सत्य और कर्म के प्रतीक हैं। उनकी कृपा से समाज में सदाचार, ज्ञान और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान चित्रगुप्त की आराधना हमें अपने कर्मों के प्रति सजग रहने और समाज के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को भाईदूज/यम द्वितीया की शुभकामनाएं देते हुए समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में समाज के 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान कर उन्हें शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। साथ ही श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया तथा भगवान चित्रगुप्त के प्रतीक स्वरूप कलम भी वितरित की गई जिससे ज्ञान और विद्या के महत्व का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अजय श्रीवास्तव नीलू, प्रबंध न्यासी ओ.पी. श्रीवास्तव, अध्यक्ष राजेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

भोपाल में तीन दिन ड्यूटी के बाद पुलिस ने मनाई होली

गुलाल-डीजे के साथ झूमे अधिकारी और जवान

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल की सुरक्षा में लगातार ड्यूटी निभाने के बाद भोपाल पुलिस ने नेहरू नगर पुलिस ग्राउंड में होली मिलन समारोह आयोजित कर रंग-गुलाल और डीजे के साथ उत्साहपूर्वक त्योहार मनाया। इस दौरान पुलिस कर्मियों में काफी उत्साह देखने को मिला। होली के त्योहार के दौरान जहां पूरे शहर में रंग और उत्साह का माहौल रहा, वहीं शहर की सुरक्षा व्यवस्था संभालने में पुलिसकर्मी लगातार ड्यूटी पर तैनात रहे। त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए

रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस के जवान विभिन्न इलाकों में मुस्तैदी से तैनात रहे।होली के जुलूस, समारोह और सार्वजनिक कार्यक्रमों के बीच पुलिस ने पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाई। इसके बाद जब त्योहार का मुख्य दौर शांतिपूर्वक संपन्न हो गया, तो पुलिस अधिकारियों और जवानों ने भी एक-दूसरे के साथ रंगों का त्योहार उत्साह से मनाया।

पुलिसकर्मियों के बीच खासा उत्साह: भोपाल में नेहरू नगर पुलिस ग्राउंड में आयोजित होली मिलन समारोह में पुलिसकर्मियों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। यहां रंग-गुलाल के साथ डीजे की धुन पर अधिकारी और जवान जमकर थिरके। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक रंगों के साथ कीचड़ और मिट्टी की होली भी खेली गई, जिससे माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो गया। पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस मौके पर डीजीपी कैलाश मकवाणा, पुलिस कमिश्नर संजय कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, एसीपी, आरआई और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर होली के रंगों के साथ त्योहार का आनंद लिया।

पूरे शहर में कहीं भी बड़ी अप्रिय घटना नहीं

कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक Monika Shukla ने कहा कि पिछले तीन दिनों से पुलिसकर्मी लगातार शहर की सुरक्षा व्यवस्था में जुटे रहे। अब उन्हें भी अपने सहकर्मियों, मित्रों और परिवार के साथ त्योहार की खुशियां मनाने का अवसर मिला है। उन्होंने भोपाल के नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से होली का त्योहार शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय के कारण पूरे शहर में कहीं भी बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई।उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए ऐसे आयोजन जरूरी होते हैं, जिससे वे अपने साथियों के साथ त्योहार मना सकें और लगातार ड्यूटी के तनाव से कुछ समय के लिए राहत पा सकें।

अनमोल वचन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

राजनीति में विरासत केवल नाम से नहीं चलती

डॉ. प्रियंका सौरभ

राजनीति में लिए गए निर्णय अक्सर तत्काल परिणाम नहीं देते। कई बार वे भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। जब कुलदीप बिश्नोई ने अपने पूर्व दल में रहते हुए क्रॉस मतदान किया और बाद में भारतीय जनता पार्टी का साथ चुना, तब इसे एक दूरगामी राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा गया। उस समय यह धारणा बनी कि यह कदम उनके राजनीतिक जीवन को नई दिशा देगा।

हरियाणा की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यहां केवल पद और प्रतिष्ठा ही सब कुछ नहीं होते, बल्कि समय, रणनीति और जनविश्वास की भूमिका कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती है। राज्यसभा चुनावों के हालिया निर्णयों ने एक ऐसी राजनीतिक कथा को जन्म दिया है, जिसमें उम्मीद, धैर्य, रणनीतिक जोखिम और विरासत-सभी एक साथ दिखाई देते हैं। इस पूरे परिदृश्य के केंद्र में वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई रहे हैं। यह प्रसंग केवल एक संसदीय सीट का नहीं, बल्कि राजनीतिक स्वीकृति, संगठनात्मक प्राथमिकताओं और जनभावनाओं के बदलते संकेतों का भी है।

राजनीति में लिए गए निर्णय अक्सर तत्काल परिणाम नहीं देते। कई बार वे भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। जब कुलदीप बिश्नोई ने अपने पूर्व दल में रहते हुए क्रॉस मतदान किया और बाद में भारतीय जनता पार्टी का साथ चुना, तब इसे एक दूरगामी राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा गया। उस समय यह धारणा बनी कि यह कदम उनके राजनीतिक जीवन को नई दिशा देगा और संगठन उनके अनुभव तथा जनाधार को सम्मानपूर्वक स्थान देगा। समर्थकों ने इसे एक साहसिक निर्णय बताया और विश्वास किया कि आने वाले समय में इसका सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलेगा।

पिछले राज्यसभा चुनाव में जब किरण चौधरी का चयन हुआ, तब बिश्नोई समर्थकों में निराशा अवश्य थी, पर उम्मीद बनी रही। यह माना गया कि संगठनात्मक संतुलन और व्यापक राजनीतिक समीकरणों के कारण यह निर्णय लिया गया है। समर्थकों ने धैर्य बनाए रखा और यह विश्वास कायम रखा कि अगला अवसर उनके नेता को अवश्य मिलेगा। राजनीति में प्रतीक्षा भी एक परीक्षा होती है-नेता की भी और उसके समर्थकों की भी।

किन्तु हालिया राज्यसभा चुनाव में जब उम्मीदवार के रूप में संजय भाटिया का नाम सामने आया, तो यह संकेत स्पष्ट था कि पार्टी की प्राथमिकताओं में अन्य समीकरण अधिक प्रभावी हैं। यह निर्णय केवल एक नाम की घोषणा नहीं था, बल्कि यह संदेश भी था कि संगठन अपने व्यापक संतुलन और रणनीतिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहा है। इसने समर्थकों के भीतर यह प्रश्न अवश्य खड़ा किया कि क्या उनकी प्रतीक्षा अभी और लंबी होगी।

इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए आदमपुर का उल्लेख अनिवार्य है। आदमपुर केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि बिश्नोई परिवार की राजनीतिक पहचान का केंद्र रहा है। दशकों तक यहां व्यक्तिगत संबंधों और पारिवारिक विश्वास ने निर्णायक भूमिका निभाई। मतदाताओं ने कई अवसरों पर राजनीतिक मतभेदों के बावजूद व्यक्तिगत भरोसे को महत्व दिया। यह क्षेत्र उनकी राजनीतिक शक्ति का प्रतीक माना जाता रहा है।

परंतु दल परिवर्तन के बाद परिस्थितियां बदलती हुई दिखाई दीं। मतदाता अब केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि राजनीतिक स्थिरता और नीति को भी महत्व देते हैं। भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने के निर्णय ने आदमपुर में एक नई बहस को जन्म दिया। व्यक्तिगत समीकरण मजबूत थे, लेकिन दल परिवर्तन को लेकर मन में संदेह भी रहा। चुनाव परिणाम ने यह संकेत दिया कि जनभावनाओं को समझे बिना केवल रणनीतिक समीकरण पर्याप्त नहीं होते।

राजनीति में जनाधार सबसे बड़ी पूंजी होता है। यदि कार्यकर्ता निराश हों, यदि संवाद में कमी आ जाए, तो संगठनात्मक संरचना धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक नेतृत्व की परिपक्वता इसी में होती है कि वह परिस्थितियों के संकेतों को समझे और समय रहते आवश्यक सुधार करे। केवल उच्चस्तरीय निर्णयों से नहीं, बल्कि जमीनी सक्रियता से विश्वास पुन: अर्जित किया जा सकता है।

इस संदर्भ में उनके पुत्र भव्य बिश्नोई का राजनीतिक भविष्य भी चर्चा का विषय बनता है। युवा नेतृत्व के सामने विरासत एक अवसर भी है और चुनौती भी। यदि संगठन मजबूत और सक्रिय हो, तो अगली पीढ़ी के लिए मार्ग सहज हो जाता है। लेकिन यदि आधार कमजोर हो, तो संघर्ष बढ़ जाता है। इसलिए यह समय केवल व्यक्तिगत अपेक्षाओं का नहीं, बल्कि व्यापक संगठनात्मक पुनर्निर्माण का है।

हरियाणा की राजनीति सदैव व्यावहारिक रही है। यहां सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और संगठनात्मक शक्ति को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। राष्ट्रीय दल अपने निर्णय व्यापक दृष्टिकोण से लेते हैं, जिसमें कई स्तरों पर संतुलन साधना पड़ता है। ऐसे में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं कभी-कभी संगठनात्मक प्राथमिकताओं के पीछे रह जाती हैं। यह राजनीति का स्वाभाविक पक्ष है।

अब प्रश्न यह नहीं कि राज्यसभा का अवसर क्यों नहीं मिला। प्रश्न यह है कि आगे की दिशा क्या होगी। क्या पुन: जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित किया जाएगा? क्या कार्यकर्ताओं का मनोबल सुदृढ़ किया जाएगा? क्या आदमपुर और अन्य क्षेत्रों में विश्वास की पुनर्स्थापना के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे? इन प्रश्नों के उत्तर ही भविष्य की दिशा तय करेंगे।

राजनीति में अवसर समाप्त नहीं होते। समय बदलता है, परिस्थितियां बदलती हैं और समीकरण भी परिवर्तित होते हैं। परंतु अवसर उन्हीं को मिलते हैं, जो निरंतर सक्रिय रहते हैं। यदि जनसंवाद जीवित रहे, संगठन सशक्त हो और नेतृत्व स्पष्ट हो, तो सम्मान अपने आप मार्ग खोज लेता है।

अंतत: यह प्रसंग हमें एक मूल सत्य की याद दिलाता है- राजनीति में विरासत केवल नाम से नहीं चलती। निरंतर संवाद, संगठन और विश्वास से सींचना पड़ता है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

सम्पादकीय

झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है। कई बार तो ये खबरें बिना तथ्य के जांचे-परखे प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास का माहौल बन जाता है। वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। अमेरिकी नेतृत्व ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान ने ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है और ईरान द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में भारी कमी आई है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सच्चाई का सही आकलन करना कठिन हो गया है, क्योंकि हर पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक कथा प्रस्तुत कर रहा है। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल और गैस के व्यापार तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। चीन और रूस जैसे देश भी इस स्थिति को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का निर्णय इसी व्यापक रणनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ आलोचकों का मानना है कि बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य कार्रवाई करना संवैधानिक सीमाओं को चुनौती देने जैसा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ने इसे सही कदम बताया है। यह विवाद दर्शाता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में युद्ध केवल सैन्य या कूटनीतिक मुद्दा नहीं होता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी विमर्श का भी विषय बन जाता है। इन सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सूचना की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित की जाए। जब समाचार और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब जनता के लिए सही और गलत में फर्क करना कठिन हो जाता है। इसलिए सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बिना किसी भी सूचना को स्वीकार न करें। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा झूठे दावों का तुरंत खंडन करना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह दर्शाता है कि आज के दौर में केवल सैन्य या कूटनीतिक तैयारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सूचना युद्ध से निपटने के लिए भी सतर्क और सक्रिय रहना आवश्यक है। अंतत: यह समझना होगा कि युद्ध का सबसे बड़ा शिकार केवल सैनिक या नागरिक नहीं होते, बल्कि सच भी होता है। जब झूठ और दुष्प्रचार को हथियार बना लिया जाता है, तब वैश्विक शांति और स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडराने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय न केवल युद्ध को रोकने के प्रयास करे, बल्कि सूचना के क्षेत्र में भी जिम्मेदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा दे। तभी दुनिया को झूठ पर गढ़े गए युद्धों और उनके खतरनाक परिणामों से बचाया जा सकेगा।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ। उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा। उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

मुस्कान के सूत्रधार: सेहतमंद दांत और आपके आत्मविश्वास का राज

दिलीप कुमार पाठक

हमारा शरीर एक मशीन की तरह है और हमारे चेहरे की खूबसूरती हमारी मुस्कान से जुड़ी होती है। इस मुस्कान को बनाए रखने और दांतों को बीमारियों से बचाने का पूरा श्रेय हमारे दंत चिकित्सकों यानी डेंटिस्ट को जाता है। हर साल 6 मार्च का दिन विशेष रूप से उन डॉक्टरों को समर्पित है जो बड़ी मेहनत और बारीकी से हमारे दांतों की समस्याओं को ठीक करते हैं। यह दिन केवल डॉक्टरों को शुक्रिया कहने का ही नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि हमारे दांतों की सेहत कितनी जरूरी है। अक्सर लोग छोटी-मोटी बीमारियों के लिए तो डॉक्टर के पास चले जाते हैं।

हमारा शरीर एक मशीन की तरह है और हमारे चेहरे की खूबसूरती हमारी मुस्कान से जुड़ी होती है। इस मुस्कान को बनाए रखने और दांतों को बीमारियों से बचाने का पूरा श्रेय हमारे दंत चिकित्सकों यानी डेंटिस्ट को जाता है। हर साल 6 मार्च का दिन विशेष रूप से उन डॉक्टरों को समर्पित है जो बड़ी मेहनत और बारीकी से हमारे दांतों की समस्याओं को ठीक करते हैं। यह दिन केवल डॉक्टरों को शुक्रिया कहने का ही नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि हमारे दांतों की सेहत कितनी जरूरी है। अक्सर लोग छोटी-मोटी बीमारियों के लिए तो डॉक्टर के पास चले जाते हैं, लेकिन दांतों के दर्द को मामूली समझकर टाल देते हैं। सच तो यह है कि हमारे पूरे शरीर की सेहत का रास्ता हमारे मुंह से होकर ही जाता है। अगर हमारा मुंह साफ नहीं होगा, तो शरीर का पूरी तरह स्वस्थ रहना बहुत मुश्किल है।

पुराने समय से ही दांतों का इलाज करने की परंपरा रही है, लेकिन आज के समय में यह तकनीक बहुत आगे बढ़ चुकी है। एक डेंटिस्ट का काम केवल खराब दांत निकालना या कैविटी भरना ही नहीं होता, बल्कि वे एक इंजीनियर की तरह हमारे जबड़े की बनावट को समझते हैं और एक कलाकार की तरह हमारे चेहरे की मुस्कान को सुंदर बनाते हैं। आज के दौर में बहुत से लोग अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए डेंटिस्ट की मदद लेते हैं, जिससे न केवल वे सुंदर दिखते हैं बल्कि उनका सामाजिक आत्मविश्वास भी बढ़ता है। आजकल की बिगड़ती जीवनशैली हमारे दांतों की सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है। बाहर का खाना, ज्यादा मीठी चीजें, कोल्ड ड्रिंक्स और तंबाकू का सेवन हमारे दांतों की जड़ों को कमजोर कर रहा है। डेंटिस्ट हमें बार-बार समझाते हैं कि दांतों की ऊपरी परत एक बार खराब हो जाए तो वह कुदरती रूप से दोबारा नहीं बनती।

मसूड़ों से खून आना या सांसों की बदबू जैसी समस्याएं केवल शर्मिंदगी ही नहीं लातीं, बल्कि डॉक्टरों का मानना है कि मुंह की गंदगी की वजह से दिल की बीमारियां और शुगर जैसी परेशानियां भी बढ़ सकती हैं। इसलिए डेंटिस्ट को केवल दांतों का डॉक्टर समझना गलत होगा, वे हमारे पूरे शरीर की रक्षा करते हैं। विज्ञान की तरक्की की वजह से अब दांतों का इलाज बहुत आसान और दर्द रहित हो गया है। वह समय चला गया जब लोग डेंटिस्ट के पास जाने से डरते थे। अब ऐसी आधुनिक मशीनें और दवाएं आ गई हैं कि इलाज के दौरान दर्द का पता भी नहीं चलता। बच्चों के लिए तो डेंटिस्ट और भी जरूरी हैं। बचपन में दांतों की सही देखभाल ही आगे चलकर मजबूत और सीधे दांतों की बुनियाद बनती है। विशेषज्ञ बच्चों को खेल-खेल में ब्रश करने का सही तरीका सिखाते हैं, जो पूरी उम्र उनके काम आता है।

हमें इस गलतफहमी को भी दूर करना चाहिए कि डेंटिस्ट के पास जाना बहुत महंगा पड़ता है। हकीकत में, अगर हम समय-समय पर अपने दांतों की जांच करवाते रहें, तो बड़ी बीमारियों और महंगे इलाज की नौबत ही नहीं आएगी। दांत भगवान का दिया हुआ वह अनमोल तोहफा हैं जो एक बार चले जाएं, तो दोबारा असली जैसे नहीं मिल सकते। नकली दांत केवल काम चला सकते हैं, पर वे असली दांतों जैसी मजबूती कभी नहीं दे सकते। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि दांतों की सफेदी से ज्यादा उनकी मजबूती मायने रखती है। कई बार लोग विज्ञापनों के चक्कर में आकर घरेलू नुस्खों से दांत चमकाने की कोशिश करते हैं, जिससे दांतों की सुरक्षा परत घिस जाती है। एक अनुभवी डेंटिस्ट ही आपको सही सलाह दे सकता है कि आपके दांतों के लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा।

आज के समय में डेंटिस्ट केवल क्लिनिक तक सीमित नहीं हैं, वे स्कूलों और गाँवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वे हमें सिखाते हैं कि रात को सोने से पहले ब्रश करना सुबह ब्रश करने से भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि रात भर की गंदगी ही कीड़े लगने का असली कारण बनती है। एक अच्छी मुस्कान न केवल आपको जवान दिखाती है, बल्कि यह आपके पाचन तंत्र को भी मजबूत रखती है क्योंकि सही ढंग से चबाया हुआ खाना ही शरीर को पोषण देता है। हमें अपने डेंटिस्ट को अपना दोस्त समझना चाहिए और उनसे अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करनी चाहिए। याद रखिए, एक छोटी सी लापरवाही भविष्य में बड़ा दर्द दे सकती है। कुल मिलाकर, यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का मौका देता है कि हम अपनी मुस्कान की कदर करेंगे। हमें डॉक्टरों की बताई गई बातों को मानना चाहिए, जैसे दिन में दो बार ब्रश करना, सही टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना और हर कुछ महीनों में अपना ब्रश बदल देना। अखबारों और मीडिया को भी यह बात घर-घर तक पहुँचानी चाहिए कि अगर दांत स्वस्थ होंगे, तभी देश भी स्वस्थ होगा। आइए, आज के दिन अपने डेंटिस्ट से मिलें, अपनी जांच करवाएं और उन्हें उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए धन्यवाद दें। जब आपकी मुस्कान स्वस्थ होगी, तभी आप जीवन का असली आनंद ले पाएंगे और खुलकर हंस पाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

युद्ध नहीं आज शांति जरुरी

संजय गोस्वामी

जैसे ही आर्टिफिशल इंटेलीजेंट यानि कृत्रिम बुद्धिमता का प्रवेश हुआ वैसे ही युद्ध का दायरा इस कदर बढ़ा की अब परमाणु हमले की नौबत आ गई ईरान को अमेरिका से क्या लेना देना था लेकिन जबरन कूद गया विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।अमेरिका और ईरान के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है अस्त्र-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये नि:शस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में नि:शस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु नि:शस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु नि:शस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं।

खास बात

ईरान का पलटवार अमेरिका इजरायल पर भारी

इजरायल ने ईरान पर हमला किया। उसके तुरंत बाद ईरान ने इजराइल पर पलटवार किया। कतर, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, अल धाफरा और बहरीन के एयर बेस पर ईरान ने जबर्दस्त हमला किया। अमेरिका इन हमलों से अपनी सुरक्षा नहीं कर पाया। जो नुकसान हुआ है, उसको देखकर अमेरिका और इजरायल आश्चर्यचकित हैं। उन्हें लग रहा है कि कहीं कोई गलती तो नहीं हो गई। ऊंट जब पहाड़ के नीचे आया, तब पता लगा, उससे ऊंचा भी कोई है।

युद्ध रोकने की लगने लगी गुहार

फ्रांस नॉर्वे रूस और अन्य देशों ने ईरान युद्ध को रोकने की गुहार लगाना शुरू कर दी है। यदि युद्ध जल्दी नहीं रोका गया, तो पूरी दुनिया में त्राहि त्राहि मचेगी।दुनिया के देशों में महंगाई और आर्थिक मंदी तेजी के साथ बढ़ेगी। सभी देशों को लड़ाई से होने वाले नुकसान से ज्यादा नुकसान होगा। इस लड़ाई का असर सबसे ज्यादा कच्चे तेल के दामों में पडने वाला है। जो देश युद्ध में शामिल नहीं है, वह भी इसका खामियाजा भुगतेंगे। इसको लेकर सभी में घबराहट मची हुई है।

सारे विश्व में मचा हड़कंप

इजरायल ने ईरान पर हमला किया। ईरान पहले ही चेतावनी दे चुका था। युद्ध तुम शुरू करोगे, समाप्त ईरान करेगा। पिछले दो दिनों में जिस तरह से युद्ध में एक दूसरे के ऊपर हमले हो रहे हैं। उससे इतना तो तय हो गया है, ईरान पर फतह पाना आसान नहीं है। सोंझ की लड़ाई में जीत संभव नहीं है। इजरायल अमेरिका और अमेरिकी परस्त अरब देशों की मिली जुली लड़ाई ईरान का मुकाबला कर पाएगी,इसमें संदेह है। रही सही कसर आयतुल्लाह खामनैई की मौत के बाद जो जलजला आया है। उसके बाद अमेरिका और इजरायल के लिए यह लड़ाई जीत पाना और भी मुश्किल हो गया है।

शराब नीति घोटाले से केजरीवाल एंड कंपनी बरी

शराब नीति घोटाले में सीबीआई की विशेष अदालत ने केजरीवाल एवं अन्य 22 लोगों को बरी कर दिया है। विशेष न्यायालय के इस फैसले के बाद अरविंद केजरीवाल रो पड़े। इसके साथ ही उनका पुराना अहंकार जागृत हो गया है। वह कांग्रेस को चुनौती दे रहे हैं। उन्हें लगता है, देश में वह कांग्रेस का स्थान ले सकते हैं। जिस तरह का अहंकार राजनीति में वह दिखा रहे हैं। उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है, ईश्वर ने एक मौका आम आदमी पार्टी को फिर से दिया है। जल्दी मिली सफलता ने उन्हें अहंकार से भर दिया है।यह अहंकार उन्हें समय से पहले कहीं डुबो ना दे।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि, तीज, शुक्रवार, हस्त नक्षत्रे, गर योगे, विव करणे, कन्या की चंद्रमा, भद्रा 26/12 गणेश चौथ व्रत, चंद्रोदय रात्रि 8/46 रिक्ता दोष तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल किन्तु जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी व्यवसायी, किराना, कपड़ा व्यापारी, उद्योगपति, प्रबंधक होगा।

मेष राशि- मान-प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम होगी, हर्ष होगा।

वृष राशि- धन हानि के योग बनेंगे, नवीन मैत्री-मंत्रणा अवश्य ही प्राप्त होगी।

मिथुन राशि- इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, कार्य अवश्य होंगे।

कर्क राशि- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

सिंह राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगे, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि- भावनायें संवेदनशील रहें तथा रुके कार्य बनेंगे, सोचे कार्यों पर ध्यान दें।

तुला राशि- समय अनुकूल नहीं स्वास्थ्य का ध्यान रखें, विरोधी तत्व परेशान करेंगे।

वृश्चिक राशि- स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, मन में उद्विघ्नता अवश्य ही बनेगी।

धनु राशि- आशानुकूल सफलता, स्थिति में सुधार तथा व्यवसाय गति उत्तम होगी।

मकर राशि- धन का व्यर्थ व्यय होगा, मानसिक उद्विघ्नता हानिप्रद होगी ध्यान रखें।

कुंभ राशि- इष्ट मित्रों से सहयोग, कार्य बनेंगे, कार्यगति अनुकूल अवश्य होगी।

मीन राशि- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, कार्य अवश्य बनेंगे ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

6 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

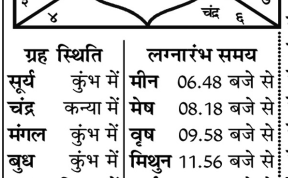

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	**मीन**	06.48 बजे से
चंद्र	कन्या में	**मेष**	08.18 बजे से
मंगल	कुंभ में	**वृष**	09.58 बजे से
बुध	कुंभ में	**मिथुन**	11.56 बजे से
गुरु	मिथुन में	**कर्क**	14.10 बजे से
शुक्र	मीन में	**सिंह**	16.26 बजे से
शनि	मीन में	**कन्या**	18.38 बजे से
राहु	कुंभ में	**तुला**	20.48 बजे से
केतु	सिंह में	**वृश्चिक**	23.03 ब.से
राहुकाल		**धनु**	01.19 बजे से
10.30 से		**मकर**	03.24 बजे से
12.00 बजे तक		**कुंभ**	05.11 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 65 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 17.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 09.30 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 07.06 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 17.54 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872640
जूलियन दिन 2461105.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 16
विशेष भालचन्द्र संकष्टी, छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	**रोग**	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	**काल**	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	**लाभ**	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	**उद्वेग**	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	**शुभ**	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	**अमृत**	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	**चर**	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	**रोग**	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ **Jagrutidaur.com, Bangalore**

एमबीबीएस में प्रवेश के लिए कितने स्कोर की होती है जरुरत

हर साल लाखों छात्र राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा देते हैं। इनमें से तमाम उम्मीदवारों का सपना होता है कि वह किसी भी तरह चुनिंदा मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएसएस की सीट हासिल कर सकें, लेकिन एक सवाल जो हर उम्मीदवार के मन में रहता है, वह है कि नीट में कितने स्कोर चाहिए, जिससे कि एमबीबीसएस की सीट पक्की हो जाए? इसके बारे में पक्के तौर पर तो नहीं कहा जा सकता है पर नीट में एमबीबीसएस के लिए दो स्कोर महत्वपूर्ण होते हैं और इन्हीं स्कोर के आधार पर आपका प्रवेश तय होता है।

क्वालिफाइंग कट-ऑफ: यह न्यूनतम अंक हैं, जो नीट परीक्षा पास करने और काउंसलिंग के लिए योग्य होने के लिए चाहिए।

एडमिशन कट-ऑफ: यह कॉलेज का कट-ऑफ है, जो सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए चाहिए।

एनटीए प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम क्वालिफाइंग परसेंटाइल निर्धारित करती है। ऐसे में एमबीबीएस के लिए सामान्य श्रेणी के लिए 50वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 720 से 164 के बीच होना चाहिए। वहीं ओबीसी , एससी, और एसटी श्रेणियों के लिए 40वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 163 से 129 के बीच होना चाहिए। सामान्य-पीएच श्रेणी के लिए 45वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 163 से 146 के बीच होना चाहिए। इसी तरह एससी, एसटी, और ओबीसी पीच श्रेणियों के लिए 40वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 145 से 129 के बीच होना चाहिए।

एमबीबीएस में एडमिशन के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों का कट ऑफ बहुत अधिक होता है। पिछले कई वर्षों के कट ऑफ के आधार पर कहा जा सकता है कि एआईएमएस, जेआईपीएमएआर , और एमएएमसी जैसे शीर्ष संस्थानों में एडमिशन के लिए नीट में 700 से 710 या उससे अधिक स्कोर लाना जरूरी है. तभी आप इन कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। वहीं .अन्य सरकारी कॉलेजों में 15 फीसदी अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) के तहत प्रवेश के लिए नीट में 650 से 700 का स्कोर जरूरी है। इसी तरह राज्य कोटा (85फीसदी) के लिए सामान्य श्रेणी में 600 से 650 स्कोर आवश्यक है। वहीं बोबीसी श्रेणी के लिए 590 से 650 स्कोर की आवश्यकता है।

कंटेंट राइटर की मांग बढ़ी

आजकल सोशल मीडिया के इस दौर में कंटेंट राइटर की मांग अच्छी खासी बढ़ गयी है। छोटी-बड़ी कंपनियों के भी सोशल मीडिया पर प्रोफाइल बने हैं, जिन पर हर रोज कुछ न कुछ अपडेट आता रहता है। सोशल मीडिया एप पर भी आप कंपनियों के बारे में पूरी जानकारी ले सकते हैं।

आज के समय में कंपनी के यू-ट्यूब अकाउंट, ट्विटर, इंट्राग्राम, टेलीग्राम समेत तमाम पेजों को नियमित तौर पर मैनेज किया जाता है। इन सबमें कंटेंट राइटिंग का रोल सबसे ज्यादा अहम होता है। दरअसल, कंपनी को लोकल से ग्लोबल तक पहुंचाने में कंटेंट राइटिंग का रोल महत्वपूर्ण है, जिसके लिए हर कंपनी के पास एक ऐसी टीम होती है। जो कंपनी का सोशल मीडिया, ब्लॉग्स और वेबसाइट आदि को मैनेज करती है। इस हिसाब से देखा जाए, तो टीम में कंटेंट राइटर का पद सबसे ज्यादा अहम होता है।

क्या करता है कंटेट राइटर

कंटेंट राइटर कंपनी की पहचान, उसके प्रोडक्ट और कंपनी के बारे में जो लिखता है। उसी के आधार पर कंपनी मार्केट में ब्रांड बनकर उभरती है। यदि आप किसी कंपनी के बारे में अच्छे से जानना चाहते हैं, तो सोशल मीडिया या वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जा रहे कंपनी द्वारा कंटेंट से तय होता है। इसके अलावा कंपनियां कंपनी के बारे में ई बुक, कंपनियों की वार्षिक विवरण पुस्तिका, प्रोडक्ट का यूजर मैनुअल या दीक्षांत समारोह का न्यूज लेटर आदि सब कंटेंट राइटर की तैयार करते हैं।

इससे वेबसाइट्स कंटेंट राइटर्स को मोटी रकम पर रखती है। इसमें 12वीं से भी लाखों रुपए कमा रहे हैं। इसी वजह से लोग इसको एक उभरते हुए पेशे के तौर पर को देख रहे हैं।

वेतन

शुरूआत में एक कंटेंट राइटर के तौर पर कंपनी आपको सालान 2-3 लाख रुपए अदा करती हैं। वहीं समय के साथ अनुभव बढ़ने पर कंटेंट राइटर को सालान 4-5 लाख तक का पैकेज आसानी से मिल जाता है। बता दें कि आमतौर पर एक कंटेंट राइटर को 20 हजार से लेकर 35 हजार रुपए प्रतिमाह सैलरी मिलती है।

आरआरबी ने ग्रुप डी भर्ती के लिए आवेदन तिथि बढ़ाई

रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने ग्रुप डी भर्ती के लिए फार्म की तिथि बढ़ा दी है। आरआरबी ने 21997 पदों पर आवेदन मांगे थे जिसके लिए पहले 2 मार्च 2026 तक आवेदन किया जा सकता था पर अब अब आरआरबी ने अंतिम तिथि बढ़ाकर 9 मार्च तक कर दी है। इसके अलावा, आवेदन फीस 4 मार्च की जगह 11 मार्च 2026 तक भरी जा सकती है।

रेलवे ग्रुप डी की इस भर्ती के जरिए असिस्टेंट ब्रिज, लोको शेड,असिस्टेंट ऑपरेशंस, असिस्टेंट पी-वे, असिस्टेंट ट्रैक मशीन, प्वाइंट्समैन समेत अन्य लेवल -1 पद भरे जाएंगे।

योग्यता

इच्छुक उम्मीदवारों ने किसी भी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से 10वीं पास/मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

10वीं पास होने के साथ ही आईटीआई करने वाले उम्मीदवार ही इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इसके अलावा,आवेदक की उम्र न्यूनतम 18-33 साल तक होनी चाहिए। आयु सीमा 1 जनवरी 2026 के आधार पर ही मानी जाएगी। वहीं, अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों की जन्मतिथि 2 जनवरी 1993 से पहले की नहीं होनी चाहिए।

आवेदन आरआरबी की बेबसाइअ पर करें।

05 मार्च ईएमएस फीचर

किस प्रकार बन सकते हैं एथिकल हैकर

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं। उसको देखते हुए एथिकल हैकर की मांग तेजी से बढ़ रही है। एथिकल हैकर का काम अपने कौशल का इस्तेमाल कर कंपनियों और लोगों को साइबर हमले से बचाना हैं। एथिकल हैकर कंप्यूटर सिस्टम की कमजोरियों का पता लगाकर साइबर हमले रोकते हैं।

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ रहा है, उससे एथिकल हैकर्स की भी मांग भी तेजी से बढ़ी है। सरकारी क्षेत्र से लेकर निजी क्षेत्र सभी में इनके लिए अवसर काफी ज्यादा है। हालात ये है कि जरुरत जितनी है उससे इसके पेशेवरों की तादाद काफी कम है। ऐसे में यह एक फायदेमंद, रोमांचक और महत्वपूर्ण कॅरियर बन गया है। ऐसे में अगर आप भी कंप्यूटर और हैकिंग में रुचि रखते हैं, तो आप एथिकल हैकिंग की बारीकियां सीखकर इस क्षेत्र में उतर सकते हैं।

एथिकल हैकर बनने के लिए उम्मीदवार को कंप्यूटर सिस्टम से जुड़ी सभी अहम जानकारियां होनी चाहिए। इसमें स्क्रिप्टिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम नेटवर्किंग का अच्छा ज्ञान, प्रोग्रामिंग पर अच्छी पकड़, सर्वर और सर्च इंजन, डाटाबेस की अच्छी समझ, नई तकनीकों से उसे लगातर अपडेट रहना होगा। इसके साथ ही विंडोज, लिनक्स और पायथन जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम की भी पूरी जानकारी होनी चाहिये।

पायलट बनने का पूरा रोडमैप! लाइसेंस, योग्यता और ट्रेनिंग की जानकारी

पायलट बनने का सपना हर युवा नहीं देखता है. लेकिन जो भी इस फील्ड में जाने का सोचते हैं, उन्हें पता है कि ये करियर न सिर्फ रोमांच, जोखिम, लग्जरी से भरा है बल्कि इसमें सम्मान भी मिलता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक प्रोफेशल पायलट बनने के लिए क्या करना पड़ता है. इसके लिए कई पड़ाव को पार करना होता है और कई तरह के लाइसेंस होता है.

शैक्षणिक योग्यता

पायलट बनने के लिए सबसे जरूरी शर्त यह है कि उम्मीदवार ने 12वीं कक्षा फिजिक्स, गणित और अंग्रेजी विषयों के साथ कम से कम 50% अंकों से पास की हो. यदि 12वीं में ये विषय शामिल नहीं थे तो पायलट कोर्स के लिए एलिजिबल नहीं होंगे. ऐसी स्थिति में आप किसी भी ओपन स्कूल से ये डिग्री पा सकते हैं.

आयु सीमा

कमर्शियल पायलट लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष तय की गई है. हालांकि, छात्र पायलट लाइसेंस के लिए 16 वर्ष की उम्र से ही शुरुआत की जा सकती है.

मेडिकल फिटनेस

पायलट बनने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ होना अनिवार्य है. विजन अच्छी होनी चाहिए और गंभीर बीमारियां नहीं होनी चाहिए. इसके लिए डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल

एविएशन द्वारा अधिकृत डॉक्टर से मेडिकल सर्टिफिकेट लेना होता है.

पायलट बनने की प्रक्रिया (स्टेप-बाय-स्टेप गाइड)

पायलट बनने के लिए कुछ अहम चरणों से गुजरना पड़ता है. सबसे पहले उम्मीदवार को ष्ठत्रष्ट से मान्यता प्राप्त किसी फ्लाइंग स्कूल या एकेडमी में प्रवेश लेना होता है. भारत में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी जैसे कई प्रतिष्ठित संस्थान पायलट प्रशिक्षण प्रदान करते हैं.

लाइसेंस के प्रकार

एयरलाइंस में नौकरी पाने के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण लाइसेंस है. इसके लिए आपको कम सेकम 200 घंटे की उड़ान का अनुभव और लिखित परीक्षाएं पास करनी होती हैं.

जरूरी स्किलस

एक सफल पायलट बनने के लिए केवल डिग्री या लाइसेंस होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कुछ जरूरी स्किलस भी चाहिए. निर्णय लेने की क्षमता, अनुशासन और कॉन्फिडेंस होने चाहिए. पायलट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ृझष्ट) और अपने क्रू मेंबर्स के साथ बेहतर कम्युनिकेशन के लिए अच्छी अच्छी इंग्लिश आनी चाहिए.

संक्षिप्त समाचार

पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम से मिले जय शाह

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने पर जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी है। जम्मू-कश्मीर ने खिताबी मुकाबले में आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर जीत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर की जीत दिखाती है कि राज्य में क्रिकेट आगे बढ़ रहा है जो गर्व की बात है। अपनी यादगार जीत के बाद, खिलाड़ियों ने आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलने और उनके साथ यह खास पल साझा करने की इच्छा भी जताई थी। तब खिलाड़ियों ने बीसीसीआई सचिव रहते शाह के जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की थी। बीसीसीआई ने जम्मू-कश्मीर टीम को उसके इस सफलता पर बधाई दी। साथ ही जीतने वाली टीम से मिलने के लिए शाह को धन्यवाद दिया।

दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों ने फिन एलन की पारी को सराहा

कोलकाता। न्यूजीलैंड ने सलामी बल्लेबाजों फिन एलन और टिम साइफर्ट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। इन दोनो की आक्रामक बल्लेबाजी के सामने विरोधी टीम के गेंदबाज बेबस नजर आये। इस मैच के दौरान फिन ने टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक भी लगाया जिससे न्यूजीलैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई। एलन ने अपनी पारी में 10 चौके और आठ छक्के लगाये। इन दोनो के ही इस प्रदर्शन की भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटरों शिखर धवन, वसीम जाफर और ने जमकर प्रशंसा की है।
धवन ने लिखा, एलेन की जबरदस्त बल्लेबाजी। टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक। फाइनल में पहुंचने पर न्यूजीलैंड को बहुत-बहुत बधाई। वहीं जाफर ने कहा, विश्व कप के सेमीफाइनल में 33 गेंद में शतक, शानदार फिल एलन, अच्छा नहीं लगा, जब आप ग्रुप स्तर में हावी रहते हैं और फिर बड़े गेम में हार जाते हैं। न्यूजीलैंड को श्रेय जाता है, वह पूरे मैच में हावी रही।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है।

इंग्लैंड को 7 रन से हराया, सैमसन ने 89 रन बनाए, बेथेल का शतक बेकार

भारत चौथी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में

मुंबई ■ एजेंसी

भारत ने चौथी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड को 7 रन से हराया। टीम 2007, 2014, 2024 में भी फाइनल तक पहुंच चुकी है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। 254 रन चेज कर रही इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 246 रन ही बना सकी।

जैकब बेथेल ने 48 बॉल पर 105 रन की पारी खेली। लेकिन, अपनी टीम को फाइनल में नहीं पहुंचा सके। मैच का स्कोरबोर्ड

संजू सैमसन ने फिफ्टी लगाई, भारत 253/7: इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। संजू सैमसन ने 89 रन की पारी खेली। जबकि शिवम दुबे ने 43 रन बनाए। ईशान किशन ने 39, हार्दिक पंड्या ने 27 और तिलक वर्मा ने 21 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड से विल जैक्स और आदिल रशीद ने 2-2 विकेट झटके। एक विकेट जोफ्रा आर्चर को मिला। 2 बैटर्स रनआउट हुए।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया: भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना लिया। टीम इंडिया का सबसे बड़ा स्कोर रिकॉर्ड 256 रन है। जोकि टीम ने इस वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में बनाया था। ओवरऑल टी-20 वर्ल्ड कप में यह चौथा सबसे बड़ा स्कोर रहा। श्रीलंका के नाम टी-20 वर्ल्ड कप में हाईएस्ट टोटल का रिकॉर्ड हैं, टीम ने केन्या के खिलाफ 2007 में 260 रन बनाए थे। **इंग्लैंड का स्कोर 200 पार हुआ, बेथेल शतक के करीब:** 17वें ओवर में इंग्लैंड ने 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। जैकब बेथेल ने अर्शदीप सिंह के ओवर की आखिरी दो बॉल पर चौका और छक्का लगाया। इसी के साथ टीम 200 पार पहुंची।

अर्शदीप ने विल जैक्स को पवेलियन भेजा: 14वें ओवर की आखिरी बॉल पर अर्शदीप सिंह ने विल जैक्स (35 रन) को कैच आउट कराया। उनके इस ओवर से 12 रन आए।

अक्षर पटेल के ओवर से 15 रन आए: 13वां ओवर डाल रहे अक्षर पटेल ने 15 रन खर्च कर दिए। विल जैक्स ने अक्षर की दूसरी बॉल पर छक्का और तीसरी बॉल पर चौका लगाया।

बेथेल-जैक्स में फिफ्टी पार्टनरशिप: 12वें ओवर की आखिरी बॉल पर जैकब बेथेल ओर विल जैक्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली है। विल जैक्स ने वरुण चक्रवर्ती के ओवर की आखिरी बॉल पर छक्का लगाया और साझेदारी को 50 पार पहुंचा दिया।

जैकब बेथेल की 19 बॉल पर फिफ्टी: 11वें ओवर में जैकब बेथेल ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 19 बॉल पर अर्धशतक लगाया। बेथेल ने बुमराह की तीसरी बॉल पर 2 दौड़े।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड: फिल सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक (कप्तान), सैम करन, विल जैक्स, लियम डॉसन, जैमी ओवरटन, जोफ्रा आर्चर और आदिल रशीद।

पर्थ में महिला एशिया कप फुटबॉल में खेलती हुई महिला खिलाड़ी।

हांगकांग के इस खिलाड़ी को हराया

लक्ष्य सेन का शानदार प्रदर्शन जारी, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। लक्ष्य ने हांगकांग के लोंग एंगस को हराया।

भारत के लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य से पुरुष एकल वर्ग में हांगकांग के लोंग एंगस को हराया। विश्व के 12वें नंबर के खिलाड़ी और 2022 संस्करण के फाइनलिस्ट लक्ष्य ने लोंग को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में 21-19, 21-23, 21-10 से हराया। लक्ष्य का सामना अब चीन के छठी वरीयता प्राप्त ली शी फेंग या आयरलैंड के नहात नगुयेन से होगा।

पहले गेम में पीछे चल रहे थे लक्ष्य: विश्व चैंपियनशिप (2021) के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य इससे पहले लोंग के खिलाफ खेले तीनों मैचों में हार का सामना कर चुके थे। वह पहले गेम की शुरुआत में 4-6 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए 15-11 की बढ़त बना ली और आक्रामक रिटर्न तथा सटीक प्लेसमेंट से दबाव बनाए रखा। लक्ष्य ने दूसरे गेम में क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ शानदार शुरुआत की और ब्रेक तक 11-4 की बढ़त बना ली। उन्होंने ताकत और सटीकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए स्कोर 14-7 कर दिया।

लय बरकरार नहीं रख सके लोंग: लोंग दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी को टक्कर देने के बाद तीसरे गेम में इस दमखम को जारी नहीं रख सके। लक्ष्य ने इस दौरान शानदार मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने तेज और आक्रामक खेल के दम पर 6-2 की बढ़त बना ली। उनके मजबूत डिफेंस के सामने लोंग लगातार अंक बनाने में संघर्ष करते दिखे। लक्ष्य ने कई मैच प्वाइंट हासिल किए और हांगकांग के खिलाड़ी का एक और शॉट बाहर जाने के साथ मुकाबला अपने नाम कर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज में विश्व चैंपियन गुकेश को मिली हार

अरविंद ने 48 चाल में जीता मैच

प्राग ■ एजेंसी

अरविंद चिदंबरम ने प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के छठे दौर में सटीक रणनीति अपना अपनाकर हमवतन डी गुकेश को हराया जिससे मौजूदा फिडे विश्व चैंपियन अंतिम स्थान पर खिसक गया।

अरविंद की जीत का मतलब है कि गुकेश अब लाइव रेटिंग सूची में 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। किसी प्रतियोगिता में नहीं खेलने के कारण विश्वनाथन आनंद इस सूची में शामिल नहीं हैं। दिसंबर 2024 में खिताब जीतने के बाद से गुकेश को विश्व चैंपियन का अपना रुतबा बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

जनवरी 2025 में टाटा स्टील मास्टर्स टूर्नामेंट एकमात्र अपवाद था, जब पहले स्थान के लिए खेले गए टाईब्रेकर में वह हमवतन आर प्रज्ञानंद से हार गए थे। अरविंद ने काले मोहरों से खेलते हुए फिलिडोर डिफेंस का प्रयोग बुरी तरह विफल होने के बाद सिसिलियन डिफेंस अपनाया। गुकेश के लिए मुश्किलें खड़ी करना आसान था क्योंकि मिडिल गेम के शुरू में

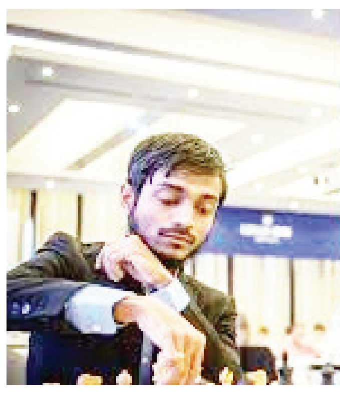

उन्होंने अपना एक प्यादा कुर्बान कर दिया था। अरविंद ड्रॉ से खुश हो जाते लेकिन गुकेश ने 40वीं चाल में गलती की। अरविंद ने इसका फायदा उठाकर 48 चाल में जीत हासिल कर दी। दिन के अन्य मैच ड्रॉ रहे। इस तरह से जोर्डन वैन फोरेस्ट 4.5 अंकों के साथ एकल बढ़त बनाए हुए हैं। उन्होंने स्थानीय स्टार डेविड नवारा के साथ अंक बांटे। नवारो चार अंक लेकर उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

ईरान के परहम मगसूदलू के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद डेविड एंटोन गुइजारोव 3.5 अंक के साथ अगले स्थान पर हैं। उनके बाद अरविंद, जर्मनी के विन्सेंट कीमर और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुबोएव का नंबर आता है। नीमन 1.5 अंकों के साथ गुकेश से ठीक ऊपर हैं। चैलेंजर्स वर्ग में विश्व महिला कप विजेता दिव्या देशमुख ने नीदरलैंड के थॉमस बीर्डसेन के साथ ड्रॉ खेला, जबकि सूर्य शेखर गांगुली ने स्पेन के डैनियल युफ्फा के साथ अंक साझा किया।

व्यापार समाचार

1 अप्रैल से लागू होंगे नए नियम, कार्ड्स पर सिर्फ 50 हजार ही निकलेंगे

पीएनबी ने एटीएम से कैश निकालने की लिमिट 50% घटाई

पंजाब नेशनल बैंक ने अपने चुनिंदा डेबिट कार्ड्स (एटीएम कार्ड) से रोजाना कैश निकालने की लिमिट को आधा कर दिया है। नए नियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगे। बैंक ने यह फैसला रिस्क कंट्रोल को मजबूत करने और ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लिया है।

1 लाख वाली लिमिट अब 50,000 हुई: पीएनबी ने अपने डेबिट कार्ड्स को दो मुख्य कैटेगरी में बांटकर लिमिट रिवाइज की है। जिनकी डेली लिमिट पहले 1 लाख रुपए थी, इसे अब 50 हजार रुपए कर दिया है। वहीं दूसरी कैटेगरी में प्रीमियम कार्ड्स की लिमिट 1.5 लाख रुपए से घटाकर 75 हजार रुपए कर दी गई है।

सुरक्षा और डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देना मकसद: बैंक ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि यह बदलाव सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। बैंक का मानना है कि कैश निकालने की लिमिट कम होने से फ्रॉड के मामलों में ग्राहकों को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। इसके साथ ही बैंक ग्राहकों को कैश के बजाय डिजिटल बैंकिंग और सुरक्षित ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है।

एप या इंटरनेट बैंकिंग से खुद भी बदल सकते हैं लिमिट: अगर ग्राहक अपनी संशोधित लिमिट के भीतर ही बदलाव करना चाहते हैं, तो बैंक ने इसके लिए कई विकल्प दिए हैं। ग्राहक क्ह्क्ह्ठ्ठ

मोबाइल एप, इंटरनेट बैंकिंग, वॉट्सएप बैंकिंग या IVR (कॉल) के जरिए अपनी डेली लिमिट सेट या रिसेट कर सकते हैं।

मोबाइल एप से लिमिट बदलने का तरीका: बैंक ने बताया है कि ऊपर बताए गए कार्ड्स के अलावा अन्य सभी डेबिट कार्ड की कैश निकालने की लिमिट पहले जैसी ही रहेगी। साथ ही, अगर आप दुकान पर कार्ड स्वाइप करते हैं या ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं, तो वहां की ट्रांजैक्शन लिमिट में कोई कटौती नहीं की गई है। यह वह अधिकतम राशि है जो आप 24 घंटे में अपने कार्ड का उपयोग करके एटीएम मशीन से निकाल सकते हैं। बैंक अक्सर सुरक्षा कारणों से अलग-अलग कार्ड्स पर अलग-अलग लिमिट तय करते हैं।

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, पहली बार 92.05 पर आया

नई दिल्ली। मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल के बढ़ते दाम के कारण भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरकर 92.05 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले जनवरी में रुपया 91.98 के निचले स्तर पर गया था। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब तक युद्ध शांत नहीं होता, रुपए पर दबाव बना रह सकता है। इस साल रुपए में अब तक 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इससे चलते यह 2026 में दुनिया के इमर्जिंग मार्केट्स की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसी में से एक बन गई है। पिछले महीने अमेरिका और भारत के बीच हुई ट्रेड डील के बाद लगा था कि रुपए की स्थिति सुधरेगी। उस समय विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में पैसा लगाना शुरू किया था और रुपए ने थोड़ी रिकवरी भी की, लेकिन मिडिल-ईस्ट में जैसे-जैसे लड़ाई बढ़ी, राहत कुछ दिन में ही खत्म हो गई।

शुरुआती कीमत 69,990, इसमें आईफोन वाली A18 प्रो चिप, 11 मार्च से सेल

एपल ने लॉन्च किया सबसे सस्ता लैपटॉप मैकबुक नियो

कैलिफोर्निया ■ एजेंसी

दिग्गज टेक कंपनी एपल ने अपना अब तक का सबसे किफायती लैपटॉप 'मैकबुक नियो' लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे उन यूजर्स के लिए पेश किया है जो कम बजट में मैकबुक का अनुभव लेना चाहते हैं। इसकी शुरुआती कीमत भारत में 69,990 रुपए रखी गई है।

आईफोन वाली चिप के साथ आएगा लैपटॉप: मैकबुक नियो में ए18 प्रो चिपसेट दिया गया है। ये 6-कोर सीपीयू और 5-कोर GPU के साथ आता है। इसमें 16-कोर वाला न्यूरल इंजन भी है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टास्क को तेजी से प्रोसेस करता है। ये चिप आईफोन 16 प्रो में मिलती थी।

एपल का दावा है कि स्मार्टफोन चिपसेट होने के बावजूद यह लैपटॉप ब्राउजिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग, फोटो एडिटिंग और डेली ऑफिस वर्क को बड़ी आसानी से हैंडल कर सकता है।

13-इंच की स्क्रीन और चार कलर्स: डिजाइन के मामले में यह काफी हद तक मैकबुक एयर जैसा दिखता है। इसमें 13-इंच की लिक्विड रेटिना डिस्प्ले दी गई है। इसे टिकाऊ एल्युमिनियम एनक्लोजर से बनाया गया है और यह चार कलर्स- ब्लश, इंडिगो, सिल्वर और सिट्रस में उपलब्ध होगा।

बैटरी लाइफ और स्टोरेज ऑप्शन्स: एपल के मुताबिक, मैकबुक नियो को एक बार फुल चार्ज करने पर 16 घंटे तक का वीडियो प्लेबैक टाइम

मिलता है। इसमें 36.5Wh की बैटरी लगी है। इसे बॉक्स में मिलने वाले 20W के USB-C पावर अडैप्टर से चार्ज किया जा सकता है।

मेमोरी: 8GB की यूनिफाइड मेमोरी दी गई है **स्टोरेज:** 256GB और 512GB स्टोरेज ऑप्शन: **कनेक्टिविटी और एक्सटर्नल डिस्प्ले सपोर्ट** इसमें एक USB 3 टाइप-सी पोर्ट दिया गया है, जो डिस्प्ले पोर्ट की तरह भी काम करता है। इसके अलावा एक दूसरा SB 2 टाइप-सी पोर्ट और 3.5mm का हेडफोन जैक भी मिलता है। यह 60H5 रिफ्रेश रेट पर एक एक्सटर्नल 4K डिस्प्ले को सपोर्ट कर सकता है। **कीमत और उपलब्धता:** भारत में मैकबुक नियो की शुरुआती कीमत 69,990 रुपए है। इसके लिए प्री-ऑर्डर एपल की वेबसाइट पर शुरू हो गए हैं। इसकी बिक्री 11 मार्च से शुरू होगी।

यह लेटेस्ट macOS पर काम करेगा। वीडियो कॉल के लिए इसमें 1080p फेसटाइम HD कैमरा और स्पेशियल ऑडियो सपोर्ट वाले डुअल स्पीकर दिए गए हैं।

होम क्रेडिट इंडिया की स्टडीज रेखांकित करती हैं महिलाओं को भारत की मौन वित्तीय क्रांतिकारियों के रूप में

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इस महिला दिवस पर, अग्रणी कन्ज्यूमर फाइनैंस कंपनी होम क्रेडिट इंडिया, वित्त के क्षेत्र में भारतीय महिलाओं के देश की 'मौन डिजिटल लीडर्स' के रूप में उभरने का उत्सव मना रही है। 'हाउ इंडिया बरोज़ स्टडी 2025' (एचआईबी 7.0) और 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट' (जीआईडब्लू 3.0) के निष्कर्ष कई ऐसे रुझानों को दर्शाते हैं जो बताते हैं कि महिलाएँ ऑनलाइन कॉमर्स को बढ़ावा देकर, वित्तीय शिक्षा को प्राथमिकता देकर और विवेक एवं उद्देश्य के साथ उत्तरदायी क्रेडिट अपनाने के तरीकों को नया आकार देकर भारत के डिजिटल क्रेडिट विकास का सूक्ष्मता से नेतृत्व कर रही हैं।

भारत के डिजिटल बदलाव का नेतृत्व कर रहीं महिलाएं : डिजिटल उपभोक्ता व्यवहार को अपनाने में महिलाएँ सबसे आगे हैं; एचआईबी 7.0 के अनुसार 66% महिलाएँ ऑनलाइन शॉपिंग करती हैं। डिजिटल कॉमर्स की सुविधा महिलाओं को घरेलू खरीदारी को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने, समय का सदुपयोग करने और वित्तीय स्वतंत्रता बनाने में सक्षम बना रही है।

HOME CREDIT
Now you can

इसके साथ ही, महिलाएँ एम्बेडेड फाइनेंस साल्यूशन्स के प्रति भी अधिक रुचि दिखा रही हैं। 51% महिलाएँ पुरुषों (49%) की तुलना में एम्बेडेड फाइनेंस को अधिक प्राथमिकता देती हैं, जो निर्बाध और खरीदारी के स्थान पर मिलने वाले क्रेडिट विकल्पों के प्रति उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

हालांकि भरोसा अभी भी केंद्र में है। जहाँ भौतिक रूप से पीओएस या बैंक जाने की प्राथमिकता में कमी आई है, वहीं 39% महिलाएँ अब भी व्यक्तिगत संपर्क को महत्व देती हैं, जो यह संकेत देता है कि महिलाएँ डिजिटल सुविधा और सोच-समझकर लिए गए निर्णयों के बीच संतुलन बनाकर चलती हैं।

विवेकशील शिक्षार्थी: डिजिटल माध्यमों को अपनाने के अलावा, ये अध्ययन इस बात पर जोर देते हैं कि महिलाएँ ज़िम्मेदार तरीके से ऋण लेने की परिभाषा को फिर से लिख रही हैं। एचआईबी 7.0 से पता चलता है

पिछले वर्ष की तुलना में कुल बिक्री में 34% की सालाना वृद्धि दर्ज की

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2026 में 5.67 लाख यूनिट बिक्री के साथ मजबूत वृद्धि दर्ज की

गुरूग्राम ■ एजेंसी

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने फरवरी 2026 में कुल 5,67,351 यूनिट की बिक्री दर्ज की। इसमें 5,13,190 यूनिट घरेलू बाजार में और 54,161 यूनिट निर्यात के रूप में शामिल हैं।

कंपनी ने फरवरी 2025 की तुलना में 34% की सालाना वृद्धि दर्ज की। यह प्रदर्शन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एचएमएसआई के उत्पाद पोर्टफोलियो की मजबूत मांग को दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से फरवरी 2026) की वर्ष-से-तारीख (ङ्घञ्जष्ठ) अवधि के दौरान, एचएमएसआई ने कुल 58,20,556 यूनिट की बिक्री दर्ज की। इसमें 52,37,169 यूनिट घरेलू बिक्री और 5,83,387 यूनिट निर्यात शामिल हैं।

फरवरी 2026 में एचएमएसआई की प्रमुख उपलब्धियां सड़क सुरक्षा: 'सबके लिए सुरक्षा' के अपने विज़न के अनुरूप, एचएमएसआई ने अजमेर, पुणे, नासिक, नारनौल, वडोदरा, हिसार, गोरखपुर, कटिहार, औरंगाबाद, मैंगलोर, छिंदवाड़ा और कोच्चि सहित देशभर के विभिन्न शहरों में सड़क सुरक्षा अभियान आयोजित किए। इन पहलों के माध्यम से जिम्मेदार राइडिंग व्यवहार को बढ़ावा दिया गया और सुरक्षित सड़कों के लिए सामुदायिक जागरूकता को मजबूत किया गया।

HONDA

एचएमएसआई ने ग्वालियर, कोच्चि, आगरा और मदुरै में सड़क सुरक्षा सम्मेलनों का भी आयोजन किया, जिसमें प्राचार्यों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही। इसका उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही सुरक्षित सड़क व्यवहार की आदत विकसित करना था।

साथ ही, एचएमएसआई ने चेन्नई और जयपुर स्थित अपने ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्कों की वर्षगांठ मनाई, जो राइडर शिक्षा और सुरक्षित राइडिंग व्यवहार को बढ़ावा देने की उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नेटवर्क विस्तार: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने तिनसुकिया में एक नए अधिकृत डीलरशिप का उद्घाटन कर अपने नेटवर्क को और मजबूत किया। विशेष रूप से प्रशिक्षित सेल्स और सर्विस टीम के साथ यह डीलरशिप ग्राहकों को व्यक्तिगत और बेहतर सेवा प्रदान करेगी।

चीन ने घटाया आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य, घरेलू मांग बढ़ाने योजना लागू

बीजिंग। चीन ने इस साल अपनी आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य घटाकर 4.5 से 5 फीसदी कर दिया है। यह पहला मौका है जब पिछले तीन वर्षों तक लगातार 5 फीसदी का लक्ष्य रखने के बाद सरकार ने इसे संशोधित किया। यह कदम वैश्विक और घरेलू आर्थिक दबावों के बीच लिया गया है। अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और बढ़ते वैश्विक आर्थिक संकट ने चीन की निर्यात-आधारित वृद्धि पर दबाव डाला है। पिछले साल निर्यात मजबूत रहने के बावजूद घरेलू खपत धीमी रही, जिससे आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण हो गया।

वाहन बिक्री में उछाल, फरवरी 2026 में 26 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने गुरुवार को बताया कि फरवरी 2026 में भारत में वाहनों की घरेलू खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 26 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुल बिक्री 24,09,362 इकाई रही, जो फरवरी 2025 में 19,17,934 इकाई थी। फाडा के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने कहा कि जीएसटी सुधार, बेहतर मांग और बाजार का भरोसा सभी श्रेणियों के बेहतर प्रदर्शन के प्रमुख कारण रहे। शहरी और ग्रामीण बाजारों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। दोपहिया वाहनों की बिक्री 17,00,505 इकाई रही, जो पिछले साल 13,60,155 इकाई थी, यानी 25 फीसदी वृद्धि। तिपहिया वाहनों की बिक्री में 24 फीसदी, यात्री वाहनों में 26 फीसदी और वाणिज्यिक वाहनों में 29 फीसदी की वृद्धि हुई। यात्री वाहनों की बिक्री पिछले साल के 3,13,015 इकाई से बढ़कर 3,94,768 इकाई तक पहुंच गई। अ ?धिकारी ने बताया कि छह में पांच श्रेणियों ने अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की।

एनएचएआई प्रायोजित आरआईआईटी का 6,000 करोड़ का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रायोजित राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) ने अपने पहले आईपीओ के लिए 99-100 रुपए प्रति यूनिट का मूल्य दायरा तय किया है। कुल आईपीओ का आकार 6,000 करोड़ रुपये तक है। सार्वजनिक निवेशक के लिए आवेदन 11 मार्च से खुलेंगे और 13 मार्च को बंद होंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली 10 मार्च को लगेगी। इस इन्विट का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग संपत्तियों की मौद्रिकरण क्षमता का लाभ उठाना है।

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा राज्यसभा चुनाव: भाजपा उम्मीदवार और दिलीप राय ने नामांकन पत्र भरा

भुवनेश्वर। भाजपा के उम्मीदवार मनमोहन सामल और सुजीत कुमार के साथ वरिष्ठ नेता दिलीप राय ने गुरुवार को ओडिशा में आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन भरा। नामांकन ओडिशा विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, राज्य सरकार के मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ भाजपा की मौजूदगी में किया गया। दिलीप राय ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया, जिसमें उन्हें भाजपा का समर्थन प्राप्त है। वे बीजू जनता दल बीजेडी के उम्मीदवार डॉ. दत्तेश्वर होता के खिलाफ चौथे राज्यसभा पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। चुनाव 16 मार्च को होने वाले हैं। नामांकन दाखिल करने से पहले, दिलीप राय ने अपने मेंटर और महान नेता बीजू पटनायक को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उम्मीद जताई कि भले ही उनके पक्ष में आवश्यक 30 प्रथम पसंद मत न हों, वे विजयी होंगे। उन्होंने 2002 में क्रॉस वोटिंग के माध्यम से राज्यसभा की सीट जीतने का उदाहरण भी याद दिलाया। भाजपा द्वारा राय को खुले समर्थन देना एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिससे पार्टी ओडिशा की चार राज्यसभा सीटों में से तीन सुरक्षित कर सके। वर्तमान विधानसभा संख्या के अनुसार भाजपा दो सीटें आराम से जीतने की स्थिति में है, जबकि बीजेडी को एक सीट मिलने की संभावना है। राज्यसभा चुनाव सूत्रों के अनुसार, ओडिशा से किसी उम्मीदवार को जीतने के लिए कम से कम 30 प्रथम पसंद मत आवश्यक हैं। भाजपा के 82 विधायकों के समर्थन से दो सीटें आसानी से सुरक्षित की जा सकती हैं, जबकि तीसरी सीट के लिए आठ मत कम हैं। इस वजह से चौथे सीट का मुकाबला दिलीप राय और डॉ. होता के बीच विशेष रूप से नजदीकी और ध्यान देने योग्य माना जा रहा है।

विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास पहुंचकर खामेनेई के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री गुरुवार को सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर शोक प्रकट करने दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास पहुंचे और यहां शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले में तेहरान स्थित आवास में मारे गए थे। विदेश सचिव ने भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली से मुलाकात कर भारत सरकार की ओर से शोक प्रकट किया। विदेश मंत्रालय की ओर से इसकी तस्वीरें साझा की गई हैं। उल्लेखनीय है कि ईरानी दूतावास ने आज अपने सर्वोच्च नेता की मौत पर दुख प्रगट करने के लिए शोक पुस्तिका को खोला है। दूतावास ने एक एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी। शोक पुस्तिका 5, 6 एवं 9 मार्च को 10 से 3 बजे तक खोली जाएगी।

नेपाल में मतदान के बीच नेकपा उम्मीदवार किरण साह ने दिया पार्टी से इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल में प्रतिनिधि सभा चुनाव के दौरान एक नाटकीय घटनाक्रम में नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (नेकपा) के उम्मीदवार किरण साह ने पार्टी पार्टी से इस्तीफ़ा देने की घोषणा कर दी। उन्होंने कई बूथों पर कब्ज़ा होने का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया है। किरण साह नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (नेकपा) के उम्मीदवार के रूप में रौतहट निर्वाचन क्षेत्र-2 से चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर लाइव वक्तव्य देते हुए पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की। साह ने आरोप लगाया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में विपक्षी नेपाली कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कई स्थानों पर 'बूथ कब्जा' कर लिया है। उनका कहना है कि उन्होंने इस बारे में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जानकारी दी, लेकिन उन्हें सुरक्षा या समर्थन नहीं मिला, जिसके कारण उन्होंने पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने दावा किया कि बौदामाई नगरपालिका और राजपुर नगरपालिका के कुछ वार्डों में बूथ कब्जा हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने उन मतदान केन्द्रों पर मौजूद अपने पार्टी प्रतिनिधियों (एजेंटों) से भी बूथ छोड़कर वापस लौटने का आग्रह किया। भाग नहीं लेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने दी होली की शुभकामनाएं

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हिंदू त्योहार होली पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। उनका संदेश व्हाइट हाउस ने जारी किया है। उन्होंने अमेरिकियों को शुभकामनाएं देते हुए शांति की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा- ''मेलानिया और मैं होली के हिंदू त्योहार को मनाने वाले सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं भेजते हैं। यह दिन वसंत ऋतु के आगमन का स्वागत और बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव है। आज, जब दुनिया भर के समुदाय रंगों के इस त्योहार को मनाने के लिए एकत्रित हो रहे हैं, मैं होली मनाने वाले सभी अमेरिकियों को आशा, शांति और एकता से भरे दिन की शुभकामनाएं देता हूं।''

मिडिल ईस्ट में संघर्ष का असर: भारत को भारी नुकसान!

केला, अंगूर, अनार और सब्जियां दुबई में सड़ रहे 1000 कंटेनर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण महाराष्ट्र के किसानों और निर्यातकों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है. एग्री प्रोडक्ट्स से जुड़े 800 से 1000 कंटेनर दुबई के जेबल अली बंदरगाह पर फंसे हुए हैं. 28 फरवरी से ही इनका कामकाज ठप है. कंटेनर अलग-अलग देशों या क्षेत्रों में एक्सपोर्ट नहीं हो पा रहे हैं, जिस कारण लाखों-करोड़ों के सामान खराब हो रहे हैं। दुबई का जेबेल अली पोर्ट मिडिल ईस्ट का एक प्रमुख बंदरगाह, जो खाड़ी क्षेत्र में कृषि उत्पादों के वितरण का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है. हालांकि, संघर्ष के कारण कामकाज पूरी तरह से ठप हो चुका है. इस कारण दुबई पहुंच चुके या भारत से आ रहे कई शिपमेंट बंदरगाह पर ही फंसे हुए हैं।

फंसे हुए कंटेनरों में मुख्य रूप से केले, अंगूर, अनार, तरबूज, पत्तेदार सब्जियां और प्याज जैसे कम समय तक टिकने वाले कृषि उत्पाद हैं। यह महाराष्ट्र से निर्यात होने वाले प्रमुख उत्पाद भी हैं। कंटेनर फंस जाने के कारण ये खराब हो सकते हैं, जिसका मतलब है कि निर्यातकों को भारी नुकसान होगा। कंटेनर ऐसे समय में भी फंसे हैं जब खाड़ी देशों में रमजान के दौरान इन फलों, विशेष रूप से अंगूर और अनार की मांग चरम पर होती है। इसलिए कारोबार कम होने की भी आशंका है। वॉर के कारण कंटेनर तो फंसे ही हैं, जिससे मांग पूरी नहीं हो पा रही है. दूसरी ओर, खाड़ी देशों में फलों की मांग में परंपरागत रूप से वृद्धि देखी जाती है. वहीं किसान इस मौसमी बदलाव के अनुसार अपनी फसल की कटाई की योजना बनाते हैं. हालांकि, इस वर्ष संघर्ष के कारण निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है. बंदरगाहों पर मौजूद लगभग 5,000 से 6,000 टन अंगूर प्रभावित होने की आशंका है और खेतों में मौजूद निर्यात योग्य गुणवत्ता वाले 10,000 टन अंगूरों को अब स्थानीय स्तर पर घाटे में बेचना पड़ सकता है। मुंबई के जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह पर दुबई जाने वाले अंगूर के लगभग 80 कंटेनर अभी तक अनलोड नहीं किए गए हैं. नासिक से निर्यात के लिए आ रहे 200 से अधिक कंटेनर बंदरगाह के बाहर फंसे हुए हैं, जिससे भारी जाम लग गया है. स्थिति गंभीर है और निर्यातकों का कहना है कि जब तक जहाजरानी सर्विस फिर से शुरू नहीं हो जातीं, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। इंडियन ग्रेप एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के निदेशक मधुकर क्षीरसागर के अनुसार, फंसे हुए हर कंटेनर से भारी नुकसान होता है, जिससे लाखों रुपये का वित्तीय नुकसान होता है।

किसान संगठन तत्काल सरकारी सहायता की मांग कर रहे हैं. महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के अध्यक्ष भरत दिघोले ने सरकार से प्रति क्विंटल 1,500 रुपये की सब्सिडी देने के साथ-साथ फंसे हुए कंटेनरों के लिए बंदरगाह शुल्क और विलंब शुल्क माफ करने का अनुरोध किया है. इसके अलावा, निर्यातकों की सहायता के लिए एक अस्थायी खरीद योजना शुरू करने की भी मांग की गई है, ताकि माल की निकासी होने तक उन्हें सहायता मिल सके।कुछ निर्यातकों ने पहले ही अपने माल को वापस मंगाना शुरू कर दिया है. प्रमुख निर्यातक प्रकाश गायकवाड़ ने बताया कि लंबे समय तक देरी के कारण उन्हें जेएनपीटी से केले और प्याज के कंटेनर वापस मंगाने पड़े, क्योंकि देरी से फसल खराब हो रही थी. नासिक सीमा शुल्क को भेजे गए प्याज के एक शिपमेंट को मंजूरी मिलने में चार दिन लग गए, तब तक पूरा माल खराब हो चुका था।

ट्रंप टैरिफ रिफंड पर बड़ी बैठक आज, 175 अरब डॉलर लौटाने का रोडमैप तय करेगा अमेरिकी कोर्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ से जुड़े रिफंड मामले में एक अहम बैठक होने जा रही है। एक अमेरिकी जज शुक्रवार को सरकारी वकीलों के साथ बंद कमरे (क्लोज्ड-डोर) में च्सेटलमेंट कॉन्फ्रेंसज् करेंगे। बैठक में लगभग 175 अरब डॉलर तक टैरिफ रिफंड करने का प्रोसेस तय करने पर चर्चा होगी ।रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के जज रिचर्ड ईटन उन सरकारी वकीलों से मुलाकात करेंगे जो कस्टम एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एजेंसी 3 लाख से अधिक इंपोर्टर्स से वसूले गए टैरिफ के भुगतान के मामलों को संभालती है।

दरअसल, पिछले महीने इन टैरिफ को गैर-कानूनी घोषित करते हुए रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद अब इन कंपनियों को रिफंड देने की प्रक्रिया तय करने पर चर्चा होनी है ।सरकारी वकीलों ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सिग्नेचर टैरिफ को रिफंड करने का प्रोसेस अपने आप में बहुत बड़ा था और इसके लिए लाखों टैरिफ पेमेंट का मैनुअल रिव्यू करना होगा। माना जाता है कि अमेरिकी कोर्ट आम लोगों के लिए खुले रहते हैं, हालांकि जज कभी-कभी शेड्यूलिंग या सेंसिटिव जानकारी को कैसे हैंडल किया जाए, इस पर चर्चा करने के लिए पार्टियों के साथ प्राइवेट मीटिंग करते हैं। कोर्ट की वेबसाइट पर कैलेंडर में शुक्रवार की मीटिंग को क्लोज्ड कॉन्फ्रेंस बताया गया है। जब पूछा गया कि मीटिंग आम लोगों के लिए क्यों बंद थी, तो ट्रेड कोर्ट की क्लर्क जीना जस्टिस ने गुरुवार को रॉयटर्स को बताया कि यह एक सेटलमेंट कॉन्फ्रेंस थी। ईटन जिस केस की देखरेख कर रहे है, वह रिफंड प्रोसेस बनाने के लिए एक सिंगल इंपोर्टर, एटमस फिल्ट्रेशन इंक. ने लाया था, जिसने कोर्ट फाइलिंग में कहा था कि उसने गैर-कानूनी टैरिफ के तौर पर 11 मिलियन डॉलर का पेमेंट किया था। कोर्ट डॉकेट के मुताबिक, एटमस के वकील शुक्रवार की मीटिंग में रिमोटली शामिल हो सकेंगे। उन्होंने और अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने कमेंट के लिए रिक्वेस्ट का जवाब नहीं दिया। यह साफ नहीं है कि पिछले हफ्ते फाइल किया गया।

न्यूयॉर्क का मेयर तो चुन नहीं पाए, ट्रंप को ईरान के उप-विदेश मंत्री ने दिखाया आईना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

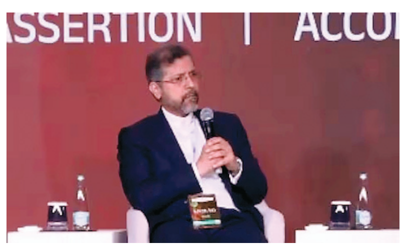

जंग के बीच ईरान के डिप्टी विदेश मंत्री सईद खतीबज़ादेह ने नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग में बोलते हुए स् पर तीखा हमला किया है. उन्होंने मौजूदा लड़ाई को ईरान के लिए अस्तित्व की लड़ाई बताया है।

खतीबज़ादेह ने ईरान की लीडरशिप के बारे में डोनाल्ड ट्रंप की बातों का भी मज़ाक उड़ाया और कहा कि स् प्रेसिडेंट ईरान का लीडर अपॉइंट करना चाहते हैं, लेकिन वह न्यूयॉर्क के मेयर को भी अपॉइंट नहीं कर सकते. उन्होंने आगे कहा कि जहां वॉशिंगटन लड़ाई को अमेरिकन फुटबॉल की सोच से देख रहा है, वहीं ईरान शतरंज की तरह सोच रहा है।

सईद खतीबज़ादेह ने कहा है कि तेहरान के पास अमेरिकी और इज़रायली हमले के खिलाफ वीरतापूर्ण राष्ट्रवादी बचाव करने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं है। देश आखिरी गोली और आखिरी सैनिक तक विरोध करेगा।

रायसीना डायलॉग 2026 के मौके पर हुद्ध से बात करते हुए, खतीबज़ादेह ने ज़ोर देकर कहा कि ईरान इस वक्त पूरी तरह से युद्ध की स्थिति से गुज़र रहा है. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अभी ईरान के लिए सबसे ज़रूरी बात हमलावर के खिलाफ़ पूरी तरह से विरोध करना है. हम पर अमेरिकी और इज़रायली हमला कर रहे हैं और वे ईरान को ज़्यादा से ज़्यादा नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं. जब हम बात कर रहे हैं, मेरे साथी नागरिकों पर कारपेट-बॉम्बिंग का लगातार हमला हो रहा है, जो अमेरिकी और इज़रायली कर रहे हैं।

ईरानी डिप्टी विदेश मंत्री ने आगे कहा कि तेहरान पर लगातार हमला हो रहा है और हमारे पास अपनी आखिरी गोली और अपने आखिरी सैनिक तक विरोध करने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं है। उन्होंने इस लड़ाई को बाहरी ज़ुल्मों के खिलाफ़ एक ज़रूरी कदम बताया।

बजट के बाद कृषि सुधारों पर मंथन, पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे वेबिनार को संबोधित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए च्कृषि और ग्रामीण परिवर्तन विषय पर बजट के बाद आयोजित वेबिनार को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस वेबिनार का उद्देश्य कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों में सुधार और संभावनाओं पर चर्चा करना है।

इस थीम के तहत प्रधानमंत्री चार प्रमुख क्षेत्रों को कवर करते हुए आठ अलग-अलग वेबिनार सत्र आयोजित कर रहे हैं। इनमें कृषि, पशुपालन और डेयरी, मत्स्य पालन तथा ग्रामीण आजीविका जैसे अहम क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इन सत्रों में इन क्षेत्रों के विकास और निवेश को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की जाएगी।

वेबिनार में काजू, नारियल, चंदन, अगरवुड, बादाम, अखरोट और चीड़ जैसी फसलों की क्षमता को उजागर करते हुए उच्च मूल्य वाली कृषि को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही कृषि के लिए एआई संचालित डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और भारत विस्तार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

सत्रों में पशुपालन मूल्य शृंखला में निजी क्षेत्र के निवेश और उद्यमिता को बढ़ावा देने, मत्स्य पालन के लिए जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास तथा तटीय मत्स्य पालन मूल्य शृंखलाओं को मजबूत करने जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा एसएचई-मार्ट्स के जरिए ग्रामीण महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की बाजार तक पहुंच बढ़ाने पर भी विचार किया जाएगा।

केंद्रीय बजट 2026-27 में उच्च मूल्य वाली कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और प्रौद्योगिकी आधारित खेती पर विशेष जोर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण रोजगार सृजन और कृषि पद्धतियों के आधुनिकीकरण के लिए कई लक्षित हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 1,62,671 करोड़ रुपए के आवंटन की घोषणा की है, जो 2025-26 के संशोधित अनुमान 1,51,853 करोड़ रुपए से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय का व्यय हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है। यह 2013-14 में लगभग 21,933.50 करोड़ रुपए था, जो 2025-26 के बजट अनुमानों में बढ़कर लगभग 1,51,853 करोड़ रुपए हो गया है।

केरल में सीईसी ज्ञानेश कुमार ने लॉन्च किया जेन-जी एंथम, युवाओं को दिलाई शपथ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आगामी केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार राज्य के दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार सुबह कोच्चि के गोश्री ब्रिज क्षेत्र का दौरा किया और यहां युवा मतदाताओं को च्मतदाता शपथ दिलाई। इसके साथ ही, युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

भारतीय चुनाव आयोग ने जानकारी दी कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कोच्चि में युवा मतदाताओं के साथ जागरूकता कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने गोश्री ब्रिज के पास युवा मतदाताओं को च्वोटर्स प्लेज (मतदाता शपथ) दिलाई और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने युवा मतदाताओं के साथ गोश्री ब्रिज पर वॉक भी की।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने यहां जेन-जी एंथम भी लॉन्च किया और युवा मतदाताओं से बातचीत करते हुए चल रहे मतदाता जागरूकता अभियानों का अवलोकन किया। भारतीय निर्वाचन आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को केरल पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी शामिल हैं। गुरुवार को चुनाव आयोग के दल ने कोच्चि में चुनावी तैयारियों की समीक्षा के दौरान दुर्बार हॉल ग्राउंड का दौरा किया और अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आयोग 6 और 7 मार्च को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बैठक करेगा।कोच्चि पहुंचकर ज्ञानेश कुमार ने अपनी पुरानी यादें भी शेयर कीं। ज्ञानेश कुमार केरल कैडर के 1988 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं।

'हर मास एक उपवास' चतुर्थ सामूहिक उपवास कार्यक्रम कल नीमच में

स्टार सुदीप मोला व प्रसिद्ध बांसुरी वादन विक्रम एवं देव कनेरिया की होगी प्रस्तुति

नीमच ■ अमृत दर्शन

पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार एवं अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास के तत्वाधान में आयोजित साधना महोदधि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज के पावन सानिध्य में 'हर मास एक उपवास' के चतुर्थ सामूहिक उपवास कार्यक्रम का आयोजन नीमच म.प्र. में होने जा रहा है। इस आयोजन में दिगम्बर जैन संत अंतर्मना आचार्य श्री द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग को उपवास के महत्व व उससे होने वाले लाभ का महत्व समझाया जाता है। यथाशक्ति महीने में एक माह उपवास का संकल्प दिलवाया जाता है। आयोजन श्री अटल बिहारी वाजपेयी टाउन हॉल, दशहरा मैदान के पास, नीमच में सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक होगा। इस अवसर पर संगीत व कवि सम्मलेन का कार्यक्रम आयोजित होगा, साथ ही कार्यक्रम में विशेष रूप से भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करने पूज्य गुरुदेव श्री अंबाजी धाम, निपानिया व पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी सुरेशानंद जी महाराज उपस्थित रहेंगे साथ ही काव्यपाठ के लिए टीवी स्टार सुदीप मोला व प्रसिद्ध बांसुरी वादन विक्रम एवं देव कनेरिया अपनी प्रस्तुति करेंगे, कार्यक्रम संयोजक मंडल के एस. के. तिजारावाला (हरिद्वार) प्रवक्ता, स्वामी रामदेव जी महाराज, आकाश जैन समन्वयक, अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास, हर मास एक उपवास नीमच के पदाधिकारी विजय कुमार विनायक, अजय कासलीवाल, जितेन्द्र जैन बंटी, महेश कुमावत सहित समस्त नीमच व आसपास सभी वर्ग के धर्म प्रेमी भक्त मौजूद रहेंगे।

- नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद एवं रोमिल पाटनी, सोनकच्छ

बिहार में नए सीएम के चेहरे को लेकर बना सस्पेंस

सीएम नीतीश कुमार ने अपने आवास पर बुलाई सांसदों-विधायकों और विधान पार्षदों की बैठक

पटना ■ एजेंसी

बिहार की राजनीति में इन दिनों भारी उठापटक चल रही है। सीएम नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए नामांकन कर दिया है। ऐसे में बिहार की कमान किसके हाथों में होगी, इसे लेकर चर्चाएं तेज हैं। इस बीच बिहार के च्रूनीतीश कुमार ने आज शाम 5 बजे अपने आधिकारिक आवास पर जेडीयू के सभी विधायकों, सांसदों और विधान पार्षदों की बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार इस बैठक में अपने भविष्य के राजनैतिक कदमों और अपने फैसले से पार्टी नेताओं को अवगत कराएंगे। बता दें कि 20 साल तक सीएम रहने के बाद नीतीश कुमार अब दिल्ली का रुख करने जा रहे हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा का रुख करने के बीच चर्चा ये चल रही है कि बिहार में नित्यानंद राय सीएम बन सकते हैं, वह यादव हैं और केंद्र में मंत्री हैं। ये भी करीब तय हो गया है कि बिहार में अब बीजेपी का ही मुख्यमंत्री बनेगा, लेकिन इसको लेकर कई सवाल हैं। पहला तो ये कि नीतीश कुमार इस्तीफा कब देंगे, फिर नई सरकार का गठन कब होगा और तब तीसरा सवाल आएगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा? हालांकि फिलहाल बीजेपी या छ्व का कोई नेता इस इश्यू पर खुलकर बात नहीं कर रहा है, लेकिन अंदरखाने सबसे ज्यादा चर्चा इन्हीं सवालों पर हो रही है।

अबतक लालू-नीतीश ही रहे प्रमुख चेहरा

बता दें कि बिहार के नए मुख्यमंत्री का नाम तय करने पर बीजेपी और जेडीयू में चर्चा शुरू हो गई है। अगले तीन चार दिन में सब कुछ तय हो जाएगा। बिहार की राजनीति ने पिछले 35 साल में दो ही चेहरे देखे हैं- लालू यादव और नीतीश कुमार। लालू और नीतीश दोनों को अपने स्वास्थ्य के कारण पीछे होना पड़ा। लालू अपने बेटे तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश में लगे रहे तो वहीं नीतीश कुमार ने बेटे को कभी आगे आने नहीं दिया। हालांकि अब नीतीश के बेटे की भी राजनीति में एंट्री की अटकलें तेज हैं।

आमरण अनशन पर बैठ गए जदयू प्रदेश महासचिव?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की घोषणा से जनता दल यूनाईटेड के कार्यकर्ता सदमे में हैं। पांच मार्च को पूरे बिहार में जदयू कार्यकर्ता ने प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। जदयू के प्रदेश कार्यालय में तोड़फोड़ की। नाराजगी आज भी दूर नहीं हुई है। अब जदयू के प्रदेश महाचिव अमरेंद्र दास त्रिलोक मुख्यमंत्री आवास के बाहर आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। वह हाथ में बैनर लेकर सीएम नीतीश कुमार से बिहार नहीं छोड़ने की गुहार लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग वह किसी भी हालत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिल्ली नहीं जाने देंगे। अमरेंद्र दास त्रिलोक ने चेतावनी देते हुए कहा कि जरूरत पड़ी तो वह अपनी जान भी दे देंगे, लेकिन मुख्यमंत्री को दिल्ली नहीं जाने देंगे।

कोई देश खुद को नहीं कह सकता सर्वोच्च ताकत, वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज की दुनिया में कोई भी देश पूरी तरह से वैश्विक प्रभुत्व (हेजेमनी) नहीं रखता है और आने वाला समय बहुध्रुवीय विश्व का होगा। रायसीना डायलॉग 2026 में विदेश मंत्री ने यह बात कही।

वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज कोई भी देश पूरी तरह से हावी नहीं है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि 20वीं सदी के मध्य से एक निश्चित विश्व व्यवस्था बनाए रखने की वैश्विक अपेक्षा अवास्तविक थी, और अब शक्ति विभिन्न आयामों में काफी हद तक फैल गई है।

रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने पिछले सात दशकों में वैश्विक शासन के विकसित होते स्वरूप पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, जब हम इन 70 वर्षों को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो मुझे लगता है कि 1945 या 1989 को हमेशा के लिए स्थिर करने की उम्मीद एक बहुत ही अवास्तविक उम्मीद थी।

दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 में जयशंकर ने कहा कि 1945 या 1989 के बाद बने विश्व व्यवस्था को हमेशा के लिए बनाए रखने की उम्मीद करना अवास्तविक था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

भारतीय टीम सेमी फाइनल में इंग्लैंड को हरा टी-20 के फाइनल में पहुंची

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप सीरीज के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की इंग्लैंड पर शानदार जीत के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही देशभर के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय टीम ने पूरे मैच में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी क्षमता और आत्मविश्वास का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि टीम इंडिया की यह जीत खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने जिस तरह से दबाव के बीच संयम और रणनीति के साथ खेलते हुए जीत दर्ज की है, वह युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट भारत में केवल एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावना से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि भारतीय टीम इसी आत्मविश्वास और शानदार प्रदर्शन को बनाए रखते हुए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भी जीत हासिल करेगी और देश का नाम विश्व पटल पर रोशन करेगी। उन्होंने टीम के सभी खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

बता दें अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबला 8 मार्च को खेला जाएगा। यह मैंच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की टीम साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर पहले ही फाइनल में पहुंच चुकी है। गुरुवार को भारत ने इंग्लैंड को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबला में हराकर फाइनल में जगह बनाई।

मार्च में ही तपने लगा मध्य प्रदेश

पारा 39 °C के पार, सामान्य से 4 डिग्री तक बढ़ा तापमान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी पड़ रही है। अभी से ही पारा 39 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, आने वाले चार दिनों में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहने की संभावना है। प्रदेश में ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी सक्रिय है, लेकिन इसका असर नहीं है।

एमपी में इस बार मार्च के शुरुआत से ही गर्मी का असर दिखा। वहीं मार्च के दूसरे पखवाड़े में तेज गर्मी का ट्रेंड दिखाई दे रहा है। प्रदेश के तापमान 39 डिग्री से ज्यादा पहुंच चुका हैं। बताया जा रहा है कि 4 दिन में पारा 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के शहर सबसे गर्म रहे। अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री तक बढ़ा है। प्रदेश का सबसे गर्म शहर नर्मदापुरम रहा। जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री दर्ज किया गया। छतरपुर के खजुराहो में 36.8 डिग्री, धार में 36.6 डिग्री, श्योपुर-सागर और दमोह में 36.4 डिग्री, रतलाम में 36.2 डिग्री, टीकमगढ़-गुना में पारा 36 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। वहीं सतना, शाजापुर और मंडला का तापमान 35 डिग्री या इससे अधिक रहा। वहीं प्रदेश में ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है, लेकिन इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है। आसमान साफ रहने की वजह से तेज धूप पड़ रही है। इसलिए गर्मी का असर भी बढ़ गया है।

अप्रैल-मई में सबसे ज्यादा गर्मी

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि इस साल अप्रैल और मई सबसे ज्यादा गर्म रहेंगे। इन महीनों में ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में भी तेज गर्मी रहने के आसार हैं।

पिचकारी वाले कार्ड से दिया जा रहा अनोखा निमंत्रण

8 को रंगों से सराबोर होगी राजधानी भोपाल, मुख्यमंत्री ने भी सराहा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

रंगों के पर्व रंग पंचमी को लेकर राजधानी भोपाल का माहौल उत्साह, उमंग और पारंपरिक उल्लास से सराबोर होने लगा है। श्री हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में इस साल रंग पंचमी का पर्व विशेष और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि 8 मार्च को निकलने वाले भव्य रंग पंचमी चल समारोह (गेर) के सफल आयोजन के लिए प्रकाश मालवीय को संयोजक बनाया गया है। उनके नेतृत्व में आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। संयोजक प्रकाश मालवीय ने बताया कि इस बार शहर के अलग-अलग समाजों के अध्यक्षों, एसोसिएशन और समितियों के पदाधिकारियों को अनोखे अंदाज में निमंत्रण दिया जा रहा है। इसके लिए विशेष पिचकारी के आकार का पत्र तैयार कराया गया है, जिसमें पूरा निमंत्रण पिचकारी पर ही अंकित किया गया है।

भोपाल के बड़ा तालाब का सीमांकन शुरू

एफटीएल को लेकर नोंकझोंक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पांच दिन के ब्रेक के बाद भोपाल के बड़ा तालाब किनारे फिर से सीमांकन शुरू हुआ। बैरागढ़ तहसील की टीम लाउखेड़ी, बोरवन और बेहटा पहुंची। बेहटा में एफटीएल के पाइंट और सीमांकन को लेकर लोगों ने टीम से नोंकझोंक की। वहीं, अशब्द भी कहे। चार घंटे चली कार्रवाई में 50 मीटर के दायरे में 100 से ज्यादा अतिक्रमण मिले। शुक्रवार को भी टीम मैदान में उतरी।

आखिरी कार्रवाई 28 फरवरी को की थी। हलालपुरा के आसपास तालाब किनारे एक गार्डन की बाउंड्रीवॉल के साथ गोदाम भी तोड़ दिया था। इसके बाद होली के चलते कार्रवाई धीमी पड़ी, जिसने फिर रफ्तार पकड़ी। जिला प्रशासन, नगर निगम की संयुक्त टीम ने ग्राम लाउखेड़ी, बोरवन बैरागढ़ और बेहटा क्षेत्र में सीमांकन किया। यहां तालाब के 50 मीटर के दायरे का चिंहित किया गया।

सीमांकन के दौरान बोरवन गांव की बूढ़ागांव झुग्गी बस्ती और बेहटा की झुग्गी बस्ती में सर्वे में अतिक्रमण मिला। यहां तालाब के 50 मीटर के दायरे में करीब 100 झुग्गियां आ रही हैं। इन झुग्गियों को चिन्हित करने के लिए टीम ने मौके पर लाल निशान लगाए। जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम आगे भी अन्य क्षेत्रों में सीमांकन की कार्रवाई जारी रखेगी। इससे तालाब के आसपास के अतिक्रमण और निर्माण की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सीमांकन के दौरान बेहटा में लोगों के विरोध का सामना भी टीम में शामिल अफसरों को करना पड़ा। इस दौरान एक व्यक्ति ने टीम के सदस्यों से कहा कि यहां पर क्यों लाल निशान लगा रहे हैं? ये अनुमति किसने दी है? उसने टीम के सदस्यों को अपशब्द भी कहे। हालांकि, टीम ने सर्वे का काम जारी रखा।

अगले सप्ताह टीटी नगर सर्कल में सीमांकन होगा

अब तक बैरागढ़ तहसील क्षेत्र में ही बड़ा तालाब किनारों पर अतिक्रमण ढूंढा जा रहा है। टीटी नगर सर्कल में अब तक कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि, एसडीएम अर्चना शर्मा ने सोमवार से कार्रवाई करने की बात कही है। बता दें कि यही इलाका सबसे प्राइम लोकेशन है। तालाब किनारे में बेशकीमती जमीनें हैं। होटल-रेस्तरां भी बने हुए हैं। कई सरकारी एजेंसियों के दफ्तर भी बने हुए हैं। कई आईएएस और नेताओं की जमीनें इसी किनारे हैं। एक बड़ी कॉलोनी भी इसी क्षेत्र में बनी हुई है।

होली की मस्ती पलभर में मातम में बदली

भांग की छह गोलियों ने छीनी थी युवा प्रोफेसर की जिंदगी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

रंगों और खुशियों का पर्व होली इस बार भोपाल के ऐशबाग इलाके में एक परिवार के लिए गहरा दुख लेकर आया। दोस्तों के साथ होली की मस्ती में डूबे एक युवा प्रोफेसर की अचानक मौत हो गई। भांग पीने और डांस करने के कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल पहुंचने से पहले ही जिंदगी की डोर टूट गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय कृष्णा नायक, पुत्र उमेश नायक, निवासी ऐशबाग के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि बुधवार को कृष्णा पूरे उत्साह के साथ अपने दोस्तों के साथ होली खेल रहे थे। रंग-गुलाल और संगीत के बीच माहौल बेहद खुशियों से भरा हुआ था। इसी दौरान उन्होंने भांग पीने का भी फैसला किया। परिजनों के अनुसार कृष्णा ने एक लीटर दूध में भांग की छह गोलियां मिलाकर पेय तैयार किया और उसे अकेले ही पी लिया। इसके बाद दोस्तों के साथ वह काफी देर तक डांस करते रहे। लेकिन कुछ ही समय बाद उन्हें घबराहट होने लगी।

वह अपने एक दोस्त के कमरे में गए, जहां अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। दोस्तों ने घबराकर तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने कुछ देर इलाज करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से दोस्तों और परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में मौत की वजह हार्ट अटैक होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत के असली कारण का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। गुरुवार दोपहर पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। कृष्णा नायक ने भोपाल के एक निजी संस्थान से बीटेक की पढ़ाई की थी। वह एक प्राइवेट कॉलेज में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे और एमपी नगर स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान में भी छात्रों को पढ़ाते थे।

आवारा कुत्तों का आतंक

डॉग लवर्स के खिलाफ सोसाइटी के रहवासियों ने किया प्रदर्शन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। इसी कड़ी में राजधानी भोपाल में डॉग लवर्स के खिलाफ रहवासियों का गुस्सा फूटा है। डॉग बाइट के बढ़ते मामलों को लेकर रहवासियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

दरअसल करोंद स्थित मैपल ट्री सोसाइटी के रहवासियों ने प्रदर्शन किया। आवारा कुत्तों के काटने की घटनाओं से परेशान है।डॉग लवर्स के दबाव में पुलिस कार्रवाई नहीं करती है। लोगों का कहना है कि डॉग बाइट के बढ़ते मामलों के लिए डॉग लवर्स भी जिम्मेदार हैं। शिकायत करने पर डॉग लवर्स झूठी एफआईआर करा रहे है। सोसाइटी में आवारा कुत्तों का आतंक है। डॉग लवर्स रहवासियों को धमकाते है और उन खिलाफ झूठी शिकायतें करते हैं।

शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में ध्वजा महोत्सव

शनिवार को निकलेगा ध्वजाओं का वरघोड़ा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के तुलसी नगर स्थित श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर में आयोजित दो दिवसीय ध्वजा महोत्सव के दौरान शुक्रवार को भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर भगवान पार्श्वनाथ की जिन प्रतिमाओं का अभिषेक किया और विविध धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। मंदिर समिति के अध्यक्ष आईएल मेहता ने बताया कि आचार्य मुक्ति सागर सूरीश्वर महाराज और आचार्य अचल मुक्ति सागर महाराज के सानिध्य में विशेष धार्मिक विधियां और अनुष्ठान संपन्न हुए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान की प्रतिमाओं का विधिवत अभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया। मूलनायक शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक का सौभाग्य तुलसी नगर मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र कोठारी और उनके परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे। इस दौरान चेंबर ऑफ कॉमर्स के महामंत्री ललित तातेड, श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष राजेश तातेड, शिल्पा कोठारी सहित समाज के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश के पचमढ़ी को 'ग्रीन डेस्टिनेशन ब्रॉन्ज' सर्टिफिकेट

देश का पहला हिल स्टेशन बना

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व और प्रदेश में 'रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म' को बढ़ावा देने के प्रयासों के फलस्वरूप मध्यप्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। जर्मनी के बर्लिन में आयोजित 'आईटीबी बर्लिन ट्रैवल मार्ट' में प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी को प्रतिष्ठित 'ग्रीन डेस्टिनेशंस ब्रॉन्ज' सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है। यह प्रमाणन नीदरलैंड स्थित 'ग्रीन डेस्टिनेशंस फाउंडेशन' द्वारा प्रदान किया जाता है, जो 'ग्लोबल सस्टेनेबल टूरिज्म काउंसिल' से मान्यता प्राप्त संस्था है। पचमढ़ी यह अंतर्राष्ट्रीय गौरव हासिल करने वाला देश का पहला हिल स्टेशन बन गया है। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की ओर से उज्जैन कमिश्नर आशीष सिंह ने यह सम्मान प्राप्त किया।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पर्यटन नित नई ऊँचाइयों को छू रहा है। पचमढ़ी को मिला यह 'ग्रीन डेस्टिनेशन ब्रॉन्ज' सर्टिफिकेट इस बात का प्रमाण है कि हम पर्यटन विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय संस्कृति को सहेजने में भी अग्रणी हैं। यह उपलब्धि पचमढ़ी को वैश्विक स्तर पर एक 'सस्टेनेबल टूरिज्म डेस्टिनेशन' के रूप में स्थापित करेगी, जिससे यहाँ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी ने कहा कि यह सम्मान पचमढ़ी में विरासत संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन ऊर्जा और जलवायु संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की वैश्विक पहचान है। इस उपलब्धि के साथ ही अब पचमढ़ी देश के अन्य पहाड़ी पर्यटन स्थलों और इको-टूरिज्म साइट्स के लिए एक 'रेप्लिकेबल मॉडल' के रूप में उभरा है।

क्या है 'ग्रीन डेस्टिनेशन' सर्टिफिकेट

'ग्रीन डेस्टिनेशंस' एक अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन कार्यक्रम है, जो पर्यटन स्थलों के पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक विकास और सामाजिक-सांस्कृतिक संतुलन के आधार पर मूल्यांकन करता है। इसका उद्देश्य पर्यटन को टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

कड़े परीक्षण के बाद मिला सम्मान

पचमढ़ी का चयन अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित एक अत्यंत जटिल और सूक्ष्म मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद किया गया। इसके तहत डेस्टिनेशन मैनेजमेंट, प्रकृति एवं परिदृश्य, पर्यावरण और जलवायु, संस्कृति एवं परंपरा, सामाजिक कल्याण और व्यापारिक संचार जैसे 6 प्रमुख विषयों के 75 कड़े मापदंडों पर पचमढ़ी का परीक्षण किया गया। मूल्यांकन में पचमढ़ी ने 10 में से 6.5 का स्कोर और 40% का जीएसटीसी अनुपालन स्तर हासिल किया।

पर्यटन बोर्ड के प्रयासों का परिणाम

म.प्र. टूरिज्म बोर्ड द्वारा इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। इस परियोजना के तहत नवंबर 2025 में पचमढ़ी में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी, जिसके बाद व्यापक फील्ड वर्क, डेटा कलेक्शन और दस्तावेजीकरण किया गया। फरवरी 2026 में अंतर्राष्ट्रीय ऑडिटर द्वारा ऑन-साइट ऑडिट के बाद इस उपलब्धि पर मुहर लगी।

मेयर फंड पर 'सरकार' का ब्रेक

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी कमिश्नर को लिखा पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश में मेयर फंड पर 'सरकार' का ब्रेक लग गया है। इसी कड़ी में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी कमिश्नर को पत्र लिखा है। पत्र में वार्षिक बजट में महापौर निधि के संबंध में कोई प्रावधान नहीं होने का उल्लेख किया गया है। अबकी बार बजट बनाते समय नियमों का ध्यान रखें।

दरअसल पत्र में लिखा गया - मप्र नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के अध्याय 7 नगर पालिक निधि के प्रावधान का हवाला दिया गया है। वित्तीय वर्ष में निगम बजट में महापौर निधि के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है। बजट तैयार करते समय मप्र नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 और मप्र नगर पालिक निगम नियम 2018 के प्रावधान के अनुसार ही कार्रवाई की जाए।

आदेश के बाद भोपाल, इंदौर जैसे बड़े नगर निगम के महापौर पर भी असर पड़ेगा। भोपाल में महापौर की 10 करोड़ सलाना निधि है। अध्यक्ष, एमआईसी मेंबर-पार्षदों की निधि दोगुनी हो चुकी है। पिछले साल बजट में जल, प्रॉपर्टी और ठोस एवं अपशिष्ट पर टैक्स को भी बढ़ाया गया है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436 ।